डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
05 जुलाई 2026 रविवार

आज का मौसम
30.8 अधिकतम
25.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

न्यूज विंडो

यमुनोत्री हाईवे पर भारी भूस्खलन, रास्ता बंद

बड़कोट, एजेंसी। आज तड़के पहाड़ी से हुए भूस्खलन के कारण यमुनोत्री हाईवे हनुमान चट्टी से आगे अवरुद्ध हो गया। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) की टीम ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने का कार्य शुरू कर दिया है। बता दें कि स्याना चट्टी क्षेत्र में भूस्खलन के कारण हाईवे बार-बार बंद होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे स्थानीय लोगों के साथ ही चारधाम यात्रा पर यमुनोत्री धाम आने वाले श्रद्धालुओं को घंटों तक परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोग हाईवे के संवेदनशील स्थलों पर स्थायी सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग कर रहे हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटर एनकाउंटर में ढेर

बहादुरगढ़। बहादुरगढ़-बालौर बाईपास के पास ह्यह्यआधी रात को पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो कुख्यात शूटर मारे गए। मारे गए बदमाशों की पहचान हिसार के टिब्बा दानाशेर निवासी प्रवेश और जाखोड़ खेड़ा निवासी हिमांशु के रूप में हुई है। एसटीएफ बहादुरगढ़, हरियाणा पुलिस और दिल्ली स्पेशल सेल द्वारा यह संयुक्त कार्रवाई की गई है।

इंस्टाग्राम: चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर सरकार सख्त, नोटिस भेजा

नई दिल्ली। सरकार ने इंस्टाग्राम पर पेड विज्ञापनों में बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े कंटेंट को लेकर मेटा को सख्त नोटिस जारी किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम को ऐसे सभी विज्ञापनों और कंटेंट को हटाने का आदेश दिया है सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने 7 दिनों के भीतर विस्तृत जवाब मांगा है।

11 हजार वोल्ट का तार गिरा, दो लोगों की मौत

सुल्तानपुर। शिवगढ़ के शंभूगंज बाजार में हजार वोल्ट की पावर विद्युत लाइन का तार अचानक गिर गया। करंट की चपेट में आकर दो सब्जी विक्रेताओं की मौत हो गई। विद्युत लाइन गिरने से भदैंया के सकवा के राधेश्याम यादव तथा गुरुप्रसाद गुप्ता आकर गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं बगल में खड़ी मोटर साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर शंभूगंज चौकी प्रभारी, शिवगढ़ थानाध्यक्ष परशुराम ओझा व सीओ रितिक कूपर मौके पर पहुंचे और शवों को पोस्टमार्टम के भिजवाया।

अंदर खास...

- वर्क लाइफ बैलेंस... सफलता तभी सही, जब जीवन भी साथ चले
- पं. विष्णु राजौरिया का कॉलम 'सितारों की बात' -पेज-04

आज का कार्टून

राम मंदिर चढ़ावा चोरी... एसआईटी और पुलिस की जांच में लगातार हो रहे खुलासे

गजब की धमक! सुरक्षा जांच से बचने के लिए टिन्नू यादव का बस नाम ही काफी था

अयोध्या / लखनऊ।, एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच कर रही एसआईटी की पूछताछ में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक कैशियर ने दावा किया है कि जब राम मंदिर से चढ़ावे की रकम बैंक लाई जाती थी, तब यदि टीम के सदस्य 'टिन्नू यादव' का नाम ले देते थे, तो सुरक्षा या बैंक स्टाफ द्वारा विस्तृत जांच नहीं की जाती थी। कैशियर के अनुसार, टिन्नू यादव की पहचान और प्रभाव के कारण टीम को सामान्य प्रक्रिया की तुलना में आसानी से एंट्री और बहार जाने का रास्ता मिल जाता था। अनियमितताओं की आशंका के बाद बैंक ने तीन महीने गिनती करने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों को बदलने की सिफारिश की थी। लकिन, बैंक की यह सिफारिश लागू नहीं हुई और संबंधित कर्मचारियों से केवल पूछताछ तक ही बात सीमित रही। अब एसआईटी बैंक अधिकारियों, आउटसोर्सिंग एजेंसी और मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कर्मचारियों के बयानों का मिलान कर रही है।

पूर्व में गणना में शामिल रहे बैंक के एक कैशियर ने एसआईटी को बताया है कि पहले तो सिक्युरिटी एजेंसी के सुरक्षाकर्मी विधिवत जांच करते थे। जीती करने वालों को दूसरे कपड़े पहनाए जाते थे, लेकिन बाद में यह व्यवस्था किसी के कहने पर बदल गई। दावा है कि मंदिर परिसर में चार व्यक्तियों की चलती थी। दोनों ट्रस्टियों चंपतराय व अनिल मिश्र और व्यवस्थापक गोपाल राव के अलावा यदि किसी की हनक थी, तो वह टिन्नू यादव था। उसका नाम ले लेने से परिसर में कहीं भी जा सकते थे, कोई रोकता नहीं था। उसके पास वाकी-टाकी रहने से मदद भी कर देता था। 10 × 15 फीट के गिनती वाले कमरे में सभी कर्मियों की मौजूदगी में 10 सीसी कैमरों के सामने मेज पर दानपात्रों से नकदी व सिक्के निकाले जाते थे। ट्रस्ट व बैंक कर्मी उपस्थित रहते थे। फिर इनकी शार्टिंग होती थी, बाद में गिनती करके बंडलिंग। सिक्कों को झोले में रखा जाता था। उसने बताया कि काउंटिंग रूम तक पहुंचने से पहले कई चरणों की जांच से गुजरना पड़ता था।

उधर, पुलिस रिमांड के दौरान आरोपित अविनाश शुक्ल की निशानदेही पर चारपहिया वाहन समेत अन्य सामान बरामद करने में सफलता मिली है, वहीं अब जांच का रुख न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद अन्य आरोपितों की ओर है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस जल्द ही कोर्ट में आवेदन देकर जेल में बंद अन्य आरोपितों के बयान दर्ज करने की अनुमति मांग सकती है। पूछताछ के दौरान नए तथ्य सामने आने पर पुलिस उनका कस्टडी रिमांड भी मांग सकती है।अविनाश शुक्ल की निशानदेही पर मिले कुछ महत्वपूर्ण सुरागों ने विवेचना को गति दे दी है। इन तथ्यों के आधार पर चढ़ावा से चोरी की गई रकम और उससे जुड़े अन्य पहलू भी सामने आ सकते हैं।

प्रोफेशनल अपराधी की तरह व्यवहार

पूछताछ में यह भी सामने आया है क़ि रामलला के चढ़ावे में लगातार चोरी कर करते रहे आरोपी प्रोफेशनल अपराधी की तरह व्यवहार करते थे। वे गोपनीय कक्ष में राशि की गिनती करते समय न तो किसी की ओर देखते थे, न ही बातचीत करते थे। कभी-कभार जब पार्टी करते थे, तब ही मौजमस्ती होती थी। शांत रह कर यह प्रदर्शित किया जाता था कि उनमें कोई घनिष्ठता नहीं है। व्यवहार ऐसा था कि जैसे वे आपस में परिचित ही नहीं हों। यह सब इसलिए होता था, जिससे किसी को शक न हो। सब कुछ तय रहता था कि कैसे नकदी चुराकर बाथरूम या अन्य स्थान पर छिपानी है और इसे सुरक्षाकर्मियों की नजर से बचा कर ले जाना है।

तलाशी के बाद होती थी जांच

मुख्य गेट पर पुलिस की तलाशी, हुंडी कार्यालय में दोबारा जांच, उपस्थिति दर्ज कराना, मोबाइल व निजी सामान लाकर में जमा कराना और विशेष ड्रेस पहनना अनिवार्य था। फिर एसआईएस सुरक्षाकर्मी पहचान का मिलान करके प्रवेश देते थे। पूरी प्रक्रिया कैमरे की निगरानी में होती थी। नोटों की गिनती पूरी होने के बाद इसे रजिस्टर पर अंकित करके वाउचर बनाकर लोहे के कंटेनर में बैंक ले जाया जाता था।

युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

सिंधिया के प्रयासों से एमपी को मिली डिफेंस फैक्ट्री का शिलान्यास आज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया प्रयासों से शिवपुरी जिले को बड़े औद्योगिक निवेश की सौगात मिलने जा रही है। सिंधिया आज जिले के कोलारस में अदाणी समूह की 2500 करोड़ रुपए की लागत वाली डिफेंस फैक्ट्री का भूमि पूजन कर रहे हैं। नेशनल हाईवे-27 पर फैक्ट्री की आधारशिला रखने के मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित अदाणी समूह के निदेशक करण अदाणी और जीत अदाणी भी मौजूद रहेंगे।

बेहतरीन कनेक्टिविटी का मिलेगा क्षेत्र को फायदा

यह संयंत्र रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इसके माध्यम से भारतीय सेना, अर्धसैनिक बलों और सुरक्षा एजेंसियों के लिए आधुनिक उपकरणों का निर्माण किया जाएगा। नेशनल हाईवे 27 पश्चिम में गुजरात के पोरबंदर तक जाता है और उत्तर भारत से भी बेहतर संपर्क प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह क्षेत्र राजस्थान की सीमा से भी सड़क मार्ग से कम समय में जुड़ जाता है। फैक्ट्री स्थल के पास रेलवे लाइन की उपलब्धता इसे औद्योगिक और लॉजिस्टिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है। सड़क और रेल दोनों माध्यमों से कनेक्टिविटी भविष्य में रक्षा उत्पादों और औद्योगिक सामग्री के परिवहन को आसान बनाएगी। इस निवेश से जिले में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलने और प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

आज तीसरी शादी करेंगे आमिर, गौरी के साथ घर पर होगी रजिस्टर्ड मैरिज

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर आज तीसरी बार शादी करने वाले हैं। वह अपनी पार्टनर गौरी स्प्रैट के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगे। आमिर के मुताबिक शादी निजी समारोह में होगी।

हाल ही में आमिर खान ने इस बात की पुष्टि की थी कि वह 5 जुलाई को गौरी स्प्रैट से शादी करने वाले हैं। शादी में उनके परिवार को लोग और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। यह शादी उनके घर पर होगी, साथ ही एक छोटा सा फंक्शन भी होगा। आमिर खान गौरी से रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे।

कड़ी सुरक्षा के बीच खामेनेई के जनाजे में उमड़ी लाखों की भीड़

तेहरान में जनाजे की अंतिम नमाज का दृश्य।

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

खामेनेई का ताबूत आज तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसल्ला पहुंचा, जहां लाखों लोगों की मौजूदगी में अंतिम नमाज अदा की गई। कड़ी सुरक्षा के बीच ताबूत को समारोह स्थल लाया गया। बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे और खामेनेई को श्रद्धांजलि दी। खामेनेई के अंतिम संस्कार में उनकी 14 महीने की पोती ज़हरा मोहम्मदी गोलपायगानी को भी अंतिम विदाई दी गई। जनाजे की नमाज के दौरान जहरा का छोटा ताबूत खामेनेई के ताबूत के पास रखा गया। दोनों के लिए एक साथ अंतिम नमाज अदा की गई।

इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार में ईरान का पूरा शीर्ष नेतृत्व मौजूद था और अमेरिका चाहे तो एक ही हमले में सभी को खत्म कर सकता था। हालांकि उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं किया, क्योंकि फिर बातचीत के लिए कोई नहीं बचता। ट्रम्प ने जनाजे में रो रहे लोगों पर भी तंज कसते हुए कहा, 'शायद ये आंसू भी नकली हों। 'ट्रम्प के बयान पर ईरान ने पलटवार किया। आर्मेनिया स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'लोगों को मारा जा सकता है, लेकिन विचारों को नहीं। आपने खामेनेई को नहीं, उनकी सोच को और फैला दिया। आपके पास न सभ्यता है, न इतिहास और न सम्मान।'

अमेरिका की आजादी के 250 साल, ट्रम्प बोले- कम्युनिज्म नहीं चाहिए

अमेरिका ने शनिवार को आजादी के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर देशभर में भव्य समारोह आयोजित किए। इस समारोह को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कम्युनिज्म पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'हम अपने देश में कम्युनिस्टों को नहीं चाहते। कम्युनिज्म हमेशा हारता आया है और आगे भी हारेगा। यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है।' ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने दुनिया भर में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, ताकि यह विचारधारा कभी अमेरिका के भीतर जगह न बना सके।

- पेज 08 भी देखें

पहलगाम हमले के बाद बनी हिट लिस्ट में शामिल था एक आतंकी

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़, लश्कर के दो आतंकी ढेर

शोपियां, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के शोपियां के सैदपोरा इलाके में चल रही मुठभेड़ में लश्कर के 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षाबलों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मारे गए दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के टॉप ऑपरेटिव थे।एक आतंकी जाकिर अहमद गनी उन 14 आतंकियों की लिस्ट में शामिल था, जिसे पहलगाम हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने जारी किया था। दूसरा आतंकी जाकिर का साथी लतीफ भट है।

सुरक्षाबलों को शोपियां के सैदपोरा पायीन के पास छानपोरा इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। घेराबंदी के दौरान जब जवान आतंकियों के ठिकाने के करीब पहुंचे तो उन्होंने फायरिंग कर दी।

स्मृति शेष... मशहूर पंडवानी गायिका पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई का निधन

अनंत यात्रा पर निकलीं कथा, अभिनय और गायन की अनुपम साधिका

रायपुर, एजेंसी

मशहूर पंडवानी गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई का शनिवार देर रात निधन होने से देश के लोक कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई। तीजन बाई पंडवानी गायन की कापालिक शैली की गायिका थीं। यह शैली जीवंतता, नाटकीयता और तीव्र भाव-भंगिमाओं के लिए जानी जाती है। इसके अभिनेता और गायक, कल्पना के आधार पर साकार रूप प्रस्तुत करते हैं। इस शैली में कलाकार स्वयं को कथा का एक हिस्सा मानकर पात्रों के साथ एकाकार हो जाता है।

तीजन बाई केवल गाती नहीं थी, वे मंच पर महाभारत के पात्रों भीम, अर्जुन, दुर्योधन या द्रौपदी का रूप धारण कर लेती थीं। वे अपनी शारीरिक भाषा और चेहरे के हाव-भाव से युद्ध के दृश्यों को सजीव कर देतीं। वे तंबूरा लिए मंच के एक कोने से दूसरे कोने तक कभी ठुमकते हुए, कभी चुनौती पेश करते हुए और कभी आवेदन निवेदन की मुद्रा में उसी भाव भंगिमा के साथ चक्कर लगातीं। विभिन्न पात्रों के बीच संवाद की एकल प्रस्तुति करतीं, एक पात्र से दूसरे पात्र में इतनी तेजी से बदलतीं कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते।

तीजन के हाथ में तंबूरा केवल वाद्य यंत्र के रूप में उपयोग नहीं होता था बल्कि कथा में आवश्यकता के अनुरूप वह कभी भीम की गदा बन जाता तो कभी अर्जुन का धनुष। उन्होंने तंबूरे को रंगमंचीय उपकरण के तौर पर भी स्थापित किया। तंबूरा तीजन बाई के अभिनय का एक अटूट हिस्सा रहा। उनकी प्रस्तुतियों में लोक-कल्पना साफ-साफ दिखाई देती थी। प्रस्तुति ऐसी होती मानो वे किसी घटना की जीवंत प्रस्तुति कर रही हों। वे दर्शकों के मन में सीधे चित्र उकेर देती थीं।

ऊर्जा से भरा ओजस्वी स्वर

कापालिक शैली में तीजन बाई का स्वर ऊंचा और ओजस्वी होता था। महाभारत के युद्ध के दृश्यों का वर्णन करते समय उनका उत्साह और शारीरिक ऊर्जा चरम पर होती थी। गाते समय बीच-बीच में उनकी हुंकार से प्रस्तुति स्थल स्तब्ध हो जाता। उन्होंने जिस शैली को अपनाया वह कलाकार को अधिक स्वतंत्रता देती है। इसमें कलाकार अपनी ओर से कथा में लोक-मुहावरे, स्थानीय भाषा और हास्य-व्यंग्य भी जोड़ सकता है। दर्शक उनकी सुनाई कथा से भावनात्मक रूप से जुड़े और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी प्रस्तुतियों की धाक जमी।

कार लूट और लेन-देन के विवाद की चैट आई सामने

FIR में लूट के दो घंटे बाद ढाबे पर साथ बैठे दिखे आरोपी और पीड़ित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के कोहेफिजा थाना क्षेत्र में मनुआभान टेकरी के पास शुक्रवार तड़के तीन बजे कार लूट के मामले में पुलिस जांच के दौरान कई नए तथ्य सामने आए हैं।

जांच में फरियादी सौरव सीतलानी और मुख्य आरोपी आदित्य के बीच हुई चैट मिली है, जिसमें दोनों के बीच पैसों के लेन-देन की बात हो रही है। इतना ही नहीं, घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। यह फुटेज एफआईआर में दर्ज लूट के समय के दो घंटे बाद के हैं। शुक्रवार तड़के सुबह परवलिया रोड स्थित एक ढाबे पर साथ बैठे नजर आए हैं। पुलिस के अनुसार, पंचवटी कॉलोनी निवासी 27 वर्षीय सौरव सीतलानी ने शिकायत में बताया था कि वह गुरुवार देर रात परिचित आदित्य शर्मा उर्फ छोटू निवासी नारीयलखेड़ा के बुलाने पर

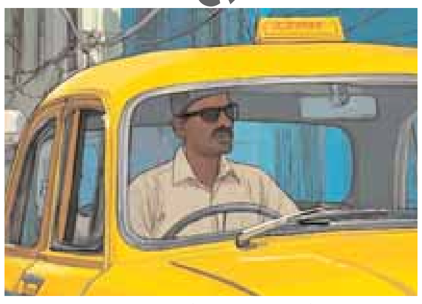

परवलिया स्थित एक ढाबे पर खाना खाने गया था। वहां आदित्य के साथ बाबर उर्फ मंडी, मोइन और बुशरान भी मौजूद थे।

बुशरान थाना गौतम नगर का निगरानी गुंडा है जिसके खिलाफ पूर्व में कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। खाना खाने के बाद सभी लोग सौरव की टाटा टियागो कार से भोपाल लौट रहे थे। मनुआभान टेकरी के पास आदित्य ने दोस्त से मिलने के बहाने कार रुकवाई। आरोप है कि इसके बाद चारों ने गाली-गलौज करते हुए सौरव से मारपीट की और चारों कार लेकर फरार हो गए।

सट्टा कनेक्शन भी जांच के दायरे में

पुलिस जांच में पता चला है कि फरियादी पहले एक मोबाइल एप के जरिए ऑनलाइन सट्टा संचालन से जुड़ा था। आरोपियों के भी उसी नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी मिली है। फरियादी को पूर्व में राजस्थान पुलिस गिरफ्तार भी कर चुकी है। फिलहाल लूटी गई कार बरामद नहीं हो सकी है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार बुशरान पुराना अपराधी है। इसी के साथ बाबर और आदित्य के खिलाफ भी पूर्व में आपराधिक केस दर्ज हैं।

अब ढाबा संचालक से होगी पूछताछ

जिस ढाबे पर फरियादी और आरोपी साथ बैठकर खाने खा रहे थे, वहां के सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। जिसमें दिख रहे टाइम के मुताबिक तड़के पांच बज रहे हैं। अब पुलिस ढाबा संचालक से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास करेगी की कि सीसीटीवी में दिख रहा समय किसी तकनीकी कारण से गलत तो नहीं दिख रहा है। वहीं आदित्य और सौरव के बीच हुई चैट में भी आर्थिक लेन-देन का जिक्र मिला है। जांच में यह भी सामने आया है कि फरियादी सौरव पहले एक मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालन से जुड़ा था। राजस्थान में उसकी गिरफ्तारी हो चुकी है। आरोपियों के भी उसी नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी पुलिस को मिली है। हालांकि लूटी गई टाटा टियागो कार अभी तक बरामद नहीं हो सकी है। पुलिस दो आरोपियों बुशरान और मुईन से पूछताछ कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

थाना प्रभारी बोले- जांच जारी

कोहेफिजा थाने के प्रभारी लोकेंद्र सिंह ठाकुर के मुताबिक फरियादी का पुराना रिकार्ड होने की जानकारी मिली है। हालांकि प्रारंभिक जांच में यह साफ हो गया है कि आरोपियों ने फरियादी से मारपीट कर उसकी कार छीनी है। पूर्व में भी आरोपी फरियादी युवक पर अड़ीबाजी करते रहे हैं। लिहाजा फरियादी के बताए घटनाक्रम अनुसार केस दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

डिजिटल कट्टरपंथ फैलाने की साजिश का खुलासा, ई-बुक्स के जरिए युवाओं का ब्रेनवॉश करने का भी आरोप

भोपाल एसआईटी का बड़ा ऑपरेशन, पाकिस्तानी हैंडलर से जुड़े जिहादी मॉड्यूल का किया पर्दाफाश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश एटीएस ने देश विरोधी गतिविधियों और कथित कट्टरपंथी नेटवर्क से जुड़े एक मॉड्यूल का खुलासा करते हुए भोपाल के काजीकैंप निवासी मोहम्मद फराज और उत्तर प्रदेश के देवबंद निवासी नईम अब्दुल्ला समेत छह आरोपियों के खिलाफ जांच तेज कर दी है। एटीएस के अनुसार, दोनों आरोपी कई वर्षों से एक पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में थे और डिजिटल माध्यम से कट्टरपंथी सामग्री का आदान-प्रदान कर रहे थे। जांच में करीब 225 पीडीएफ ई-बुक्स मिलने का दावा किया गया है, जिनका इस्तेमाल युवाओं को प्रभावित करने के लिए किए जाने की आशंका है। एटीएस का कहना है कि नईम ने फराज का संपर्क पाकिस्तानी हैंडलर से कराया था और वर्ष 2025 में वह भोपाल भी आया था। जून में चलाए गए अभियान में पांच राज्यों से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो फिलहाल भोपाल जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। मामले की जांच जारी है और डिजिटल साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

225 ई-बुक्स से कट्टरपंथ फैलाने का आरोप

एटीएस के डोजियर के अनुसार, मोहम्मद फराज और नईम अब्दुल्ला के बीच डिजिटल माध्यम से लगभग 225 पीडीएफ ई-बुक्स साझा की गईं। जांच एजेंसी का दावा है कि इन पुस्तकों में कथित रूप से उग्र विचारधारा से जुड़ी सामग्री थी, जिसका उद्देश्य युवाओं को प्रभावित करना और उनका ब्रेनवॉश करना था। अधिकारियों के अनुसार, दोनों आरोपी सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क में रहते थे।

पाकिस्तानी हैंडलर से छह साल का संपर्क

जांच में एटीएस ने दावा किया है कि नईम और फराज पिछले छह वर्षों से एक ही पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में थे। नईम ने ही फराज का परिचय इस हैंडलर से कराया था। एजेंसी के मुताबिक, हैंडलर लगातार दोनों को डिजिटल साहित्य और अन्य सामग्री भेजता था। जांच में यह भी सामने आया है कि नईम वर्ष 2025 में भोपाल आया था और कुछ समय तक फराज के घर पर रुका था। एटीएस अब दोनों के विदेशी संपर्कों, डिजिटल ट्रांजैक्शन, चैट रिकॉर्ड और ऑनलाइन गतिविधियों की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में अन्य संदिग्धों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

पांच राज्यों से छह आरोपी गिरफ्तार

जून में एटीएस ने समन्वित अभियान चलाकर पांच राज्यों से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें भोपाल के मोहम्मद फराज, देवबंद के नईम अब्दुल्ला, राजस्थान के शाकिर मेव, बिहार के इजहार उल हक, मध्य प्रदेश के धार निवासी हाजी अजहर और हरियाणा के नूंह निवासी शाकिर शामिल हैं। सभी आरोपी फिलहाल भोपाल जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, हरियाणा का शाकिर धार्मिक शिक्षा के दौरान देवबंद में नईम के संपर्क में आया था। एटीएस अब आरोपियों के आपसी संबंधों, डिजिटल नेटवर्क और कथित गतिविधियों की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

अब जांच का फोकस डिजिटल नेटवर्क, विदेशी कनेक्शन पर

एटीएस की जांच अब केवल गिरफ्तार आरोपियों तक सीमित नहीं है। एजेंसी डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन, लैपटॉप, क्लाउड डेटा और सोशल मीडिया गतिविधियों की विस्तृत फोरेंसिक जांच करा रही है। अधिकारियों का मानना है कि डिजिटल साक्ष्यों से नेटवर्क के अन्य सदस्यों और संभावित विदेशी संपर्कों की जानकारी मिल सकती है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कथित कट्टरपंथी सामग्री कितने लोगों तक पहुंची और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया। एटीएस का कहना है कि मामले में हर पहलू की कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया और जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

70 हजार शिक्षकों को TET से राहत दिलाने SC जाएगी सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार करीब 70 हजार सरकारी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से राहत दिलाने के लिए एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट (एससी) का रुख करने की तैयारी में है। स्कूल शिक्षा विभाग ने विधि विभाग और वरिष्ठ अधिवक्ताओं से कानूनी राय लेने के बाद नई याचिका दायर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार का तर्क है कि वर्ष 2005 से 2009 के बीच भर्ती हुए शिक्षकों ने व्यापमं की चयन परीक्षा पास कर नियुक्ति हासिल की थी, इसलिए उन्हें दोबारा टीईटी देने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि विभागीय अधिकारियों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट के पहले के कड़े रुख को देखते हुए राहत की संभावना सीमित है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने 1998 से 2009 के बीच नियुक्त ऐसे शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य करने का आदेश दिया था, जिनकी सेवा अवधि पांच वर्ष से अधिक शेष है। फिर भी सरकार इसे शिक्षकों के हित में अंतिम कानूनी प्रयास मान रही है।

गुफा मंदिर में गौशाला, मानस भवन का भूमिपूजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आज लाल घाटी स्थित गुफा मंदिर प्रांगण में 02 करोड़ की लगत से गौशाला एवं 20 करोड़ की लागत से मानस भवन का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा जी, महापौर मालती राय, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत रामप्रवेश महाराज, एम आई सी सदस्य गण राजेश हिंगोरानी, मनोज राठौर, जोन अध्यक्ष विनिता सोनी, पार्षद गण प्रियंका मिश्रा, सरोज असेरी, पूर्व जिला अध्यक्ष विकास वीरानी, अध्यक्ष हिंदू उत्सव

समिति चंद्रशेखर तिवारी, पूर्व महापौर सुनील सूद, पूर्व निगम अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, पदाधिकारी गण, साधु संत, गणमान्य नागरिक, मंदिर समिति के सदस्य गण एवं रहवासी गण उपस्थित रहे।

भोपाल में रॉयल एनफील्ड की बाइक रैली

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में रविवार को रॉयल एनफील्ड की ओर से बाइक रैली आयोजित की गई। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने अपने कार्यालय से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली आईएसबीटी तक निकाली गई, जिसमें देशभर से आए करीब 100 बाइकर्स ने हिस्सा लिया। रैली का उद्देश्य सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन के प्रति लोगों को जागरूक करना था। रैली में शामिल बाइकर्स निर्धारित मार्ग से गुजरते हुए आईएसबीटी पहुंचे। इस

दौरान सभी प्रतिभागियों ने सेफ राइडिंग और ट्रैफिक नियमों के पालन का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए रॉयल एनफील्ड राइडर्स और बाइकिंग समुदाय के सदस्य शामिल हुए। यह आयोजन राइडिंग कम्युनिटी के बीच आपसी सहयोग, सुरक्षित मोटरसाइक्लिंग और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। राइडिंग में शामिल एरॉन डक्रूज ने कहा कि मैं इस राइड में हिस्सा लेने के लिए पुणे से आया हूं। इस राइड के जरिए हम सभी लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी अपील है कि सभी लोग वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सड़क सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें।

डबल मर्डर: 45 मिनट की रेकी, 9 मिनट में मौत और फरार

भोपाल। ऐशबाग के सुदामा नगर में रिटायर्ड दंपती हेमंत फिलेमोन और उनकी पत्नी शकुंतला की हत्या में पुलिस को अहम सीसीटीवी सुराग मिले हैं। जांच में दो शूटर 22 जून की रात कैमरों से बचते हुए मुख्य सड़क छोड़ गलियों से ढाई किमी पैदल चलते हुए घर पहुंचे और 45 मिनट बाद वारदात को अंजाम दिया। दोनों ने ग्लव्स पहने और नौ मिनट में गोली मारकर फरार हो गए। नकदी छोड़ जाने और सुनियोजित तरीके को देखते हुए पुलिस सुपारी किलिंग के एंगल से जांच कर रही है।

मिसरोद : जैन ब्रदर्स होटल पर 10-15 हमलावरों का धावा

होटल में हथियारों संग घुसे बदमाश तलवार और चाकू से बरपाया कहर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित जैन ब्रदर्स होटल में शनिवार रात करीब 10:45 बजे 10 से 15 हथियारबंद बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। तलवार, चाकू, हॉकी और बेसबॉल बैट से लैस हमलावरों ने होटल में घुसकर चार युवकों पर हमला किया और बीच-बचाव करने पहुंचे शेफ व कर्मचारियों से भी मारपीट की। हमले में 24 वर्षीय लीलाधर कुशवाहा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें एम्स भोपाल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के अनुसार, बाइक टकराने के विवाद के बाद जान बचाने के लिए वे होटल में घुसे थे, लेकिन आरोपी हथियार लेकर वहां भी पहुंच गए। पूरी घटना होटल के सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घायलों के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

बाइक विवाद के बाद होटल तक पहुंचा हमला

घायल लीलाधर कुशवाहा के मुताबिक, वह तीन दोस्तों के साथ फैक्ट्री से ड्यूटी खत्म कर होटल में खाना खाने जा रहे थे। रास्ते में तेज रफ्तार बाइक सवार युवकों से विवाद हो गया। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए चारों युवक होटल में घुस गए, लेकिन कुछ ही देर बाद 10-15 बदमाश हथियार लेकर वहां पहुंच गए और हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने लीलाधर को होटल से बाहर घसीटकर धारदार हथियारों से कई वार किए।

सीसीटीवी फुटेज से होगी आरोपियों की पहचान

पूरी वारदात होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई है। फुटेज में हथियार लेकर होटल में घुसते और हमला करते बदमाश दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने फुटेज अपने कब्जे में लेकर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है। मिसरोद थाना पुलिस के अनुसार, अस्पताल पहुंचकर घायलों के बयान लिए जा रहे हैं। मेडिकल रिपोर्ट और जांच के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। इसके बाद हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज की जाएगी।

मेट्रो एंकर | राजधानी की कोचिंग क्लॉसेस में फायर सेफ्टी नहीं होने पर संचालकों से बोले डिप्टी कमिश्नर

नक्शा लाइए, इंजीनियर बताएंगे क्या बदलाव जरूरी...

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लखनऊ में कोचिंग इंस्टीट्यूट में हुए अग्निकांड के बाद भोपाल में 8 कोचिंग इंस्टीट्यूट सील कर दिए गए हैं। कोचिंग संचालकों का कहना है कि यदि उनके भवन में आग से बचाव के लिए किसी बदलाव की जरूरत है तो वे करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें समय चाहिए। बिल्डिंग परमिशन व भूमि विकास नियमों के अनुसार उसे कैसे किया जा सकता है, इस पर भी उन्हें संबंधित अफसर मार्गदर्शन करें।

कोचिंग संचालकों के सवालों पर जब नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर भुवन गुप्ता से बात की तो उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्रवाई का उद्देश्य कोचिंग संस्थानों को लंबे समय तक बंद रखना नहीं, बल्कि उन्हें जरूरी अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुरूप संचालित कराना है। उन्होंने कोचिंग संचालकों को फायर प्लान

प्रस्तुत करने, तकनीकी मार्गदर्शन लेने और जरूरत पड़ने पर बैठक के जरिए समाधान निकालने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि कोचिंग संचालक फायर प्लान दें और समय बता दें तो हम सील किए संस्थानों के ताले खोल देंगे। बस सुरक्षा का रोडमैप चाहिए गुप्ता ने कहा कि निरीक्षण में कई संस्थानों में फायर एक्सटिंग्विशर की वैधता समाप्त हो चुकी थी और सात दिन बाद भी उन्हें रिफिल तक नहीं कराया गया। कई संचालकों के पास स्पष्ट फायर प्लान भी नहीं था। निगम का कहना है कि कोचिंग संचालकों से यह भरोसा चाहिए कि वे सुधार की दिशा में गंभीरता से काम कर रहे हैं।

बता दें कि सोमवार-मंगलवार को होगी बैठक नगर निगम ने संचालकों को प्रस्ताव दिया कि यदि उन्हें यह समझ नहीं आ रहा कि भवन में क्या बदलाव जरूरी हैं तो वे स्वीकृत भवन नक्शे के साथ नगर निगम आएं। फायर इंजीनियर उन्हें बताएंगे कि क्या करना है। इसके आधार पर संचालक कार्ययोजना तैयार कर सकते हैं। इसके लिए सोमवार या मंगलवार को संयुक्त बैठक भी रखी जा सकती है। फायर एनओसी नहीं, प्लान जरूरी गुप्ता ने कहा कि सभी संस्थान से फायर एनओसी नहीं मांग रहे हैं। जहां रोजाना बड़ी संख्या में विद्यार्थी आते हैं वहां फायर प्लान होना चाहिए।

क्या चाहते हैं कोचिंग संचालक और निगम

-7 दिन में इतना काम संभव नहीं 7 दिन निर्माण के लिए नहीं, फायर प्लान देने के लिए थे।

-समझ नहीं आ रहा क्या बदलाव करें स्वीकृत नक्शा लेकर आइए, फायर इंजीनियर मार्गदर्शन देंगे।

-तकनीकी दिक्कतें हैं सोमवार या मंगलवार को बैठक कर समाधान निकालने को तैयार हैं।

-पढ़ाई बंद हो रही है फायर प्लान और अंडरटेकिंग मिलने पर संस्थान खोलने पर विचार होगा।

-हर फ्लोर पर नई सीढ़ी बनानी पड़ेगी नई सीढ़ी अनिवार्य नहीं, दो सुरक्षित निकासी विकल्प जरूरी हैं।

डीआरपी नीति : मेडिकल कॉलेज के डीन तय करेंगे डॉक्टरों की पोस्टिंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार ने जिला रेजिडेंट प्रोग्राम (डीआरपी) नीति में तीन साल बाद बड़ा बदलाव किया है। अब जिला अस्पतालों में तीन माह की सेवा देने वाले रेजिडेंट डॉक्टरों की पोस्टिंग राज्य स्तर से नहीं होगी। इसके बजाय संबंधित मेडिकल कॉलेज के डीन की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय डीआरपी प्लेसमेंट एलोकेशन कमेटी पोस्टिंग का निर्णय करेगी। नई व्यवस्था का उद्देश्य स्थानीय जरूरतों के अनुसार डॉक्टरों की तैनाती करना और जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाना है। हालांकि, नई नीति में आवास भत्ता समाप्त किए जाने से रेजिडेंट डॉक्टरों के बीच असंतोष भी देखा जा रहा है।

नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में गठित पांच सदस्यीय समिति रेजिडेंट डॉक्टरों के जिला आवंटन का फैसला करेगी। पहले यह प्रक्रिया राज्य स्तर पर होती थी। अब जिस मेडिकल कॉलेज में जिस क्षेत्र के मरीज अधिक आते हैं, उसी क्षेत्र के जिला अस्पतालों में वहां के रेजिडेंट डॉक्टरों को भेजा जाएगा। नई नीति के अनुसार गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल के रेजिडेंट डॉक्टरों की तैनाती भोपाल, विदिशा, रायसेन और सीहोर जैसे जिलों में होगी। वहीं, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर के डॉक्टरों को इंदौर, धार, झाबुआ और आसपास के जिलों में सेवाएं देनी होंगी। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी।

हरित ऊर्जा और निवेश को नई उड़ान : मुख्यमंत्री से मिले सुजलॉन ग्रुप के सीईओ कपूर

मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश और हरित ऊर्जा को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सुजलॉन ग्रुप के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री अजय कपूर ने मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश में अक्षय ऊर्जा, विशेष रूप से पवन ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन तथा सतत विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। यह भेंट मध्यप्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने और निवेश-अनुकूल वातावरण को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक सकारात्मक एवं दूरदर्शी कदम मानी जा रही है।

70 हजार टीचर्स को टीईटी से बचाने की कोशिश

प्रदेश में 2005 से 2009 के बीच भर्ती शिक्षकों के लिए फिर सुप्रीम कोर्ट जाएगा विभाग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र के करीब 70 हजार टीचरों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से राहत दिलाने स्कूल शिक्षा विभाग सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाएगा। विभाग का तर्क है कि साल 2005 से 2009 के बीच भर्ती हुए शिक्षकों ने पहले ही सरकारी चयन परीक्षा पास कर नौकरी हासिल की थी, इसलिए उन्हें दोबारा पात्रता परीक्षा देने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। यदि सुप्रीम कोर्ट यह दलील स्वीकार करता है, तो हजारों शिक्षकों को राहत मिल सकती है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के सितंबर 2025 के आदेश के बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने अप्रैल में निर्देश जारी कर प्रदेश के स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के उन सभी शिक्षकों के लिए जुलाई-अगस्त में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आयोजित कराने को कहा है, जिनकी नियुक्ति साल 1998 से 2009 के बीच, यानी शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने से पहले हुई थी। इस आदेश से प्रदेश के करीब डेढ़ लाख शिक्षक प्रभावित होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जिन शिक्षकों की सेवा अवधि पांच साल से कम है, उन्हें परीक्षा से छूट मिलेगी। वहीं, पांच साल से अधिक सेवा पूरी कर चुके शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना जरूरी होगा। परीक्षा पास नहीं करने वाले टीचरों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट ने ञ्श्वञ्ज पास करने की समयसीमा पहले 31 अगस्त 2027 तय की थी। जिसे बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी गई है।

2005 से 2009 में भर्ती शिक्षकों को राहत दिलाने की तैयारी

स्कूल शिक्षा विभाग साल 2005 से 2009 के बीच भर्ती हुए करीब 70 हजार शिक्षकों को पात्रता परीक्षा से राहत दिलाने के लिए नया कानूनी प्रयास कर रहा है। इन शिक्षकों की नियुक्ति सरकार द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा के आधार पर हुई थी। हालांकि, यह परीक्षा शिक्षक पात्रता परीक्षा नहीं थी और न ही इसे नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) के निर्धारित मानकों के अनुरूप आयोजित किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, विधि विभाग और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ताओं से राय लेने के बाद राज्य सरकार एक सप्ताह के भीतर सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दायर कर सकती है। याचिका में अदालत से अनुरोध किया जाएगा कि साल 2005 से 2009 के बीच भर्ती शिक्षकों ने पहले ही सरकारी चयन परीक्षा पास कर नियुक्ति प्राप्त की ह, इसलिए उन्हें दोबारा पात्रता परीक्षा देने से छूट दी जाए।

व्यापमं के माध्यम से इन वर्षों में हुई शिक्षक भर्ती

स्कूल शिक्षा विभाग ने साल 2005-06 में पहली बार व्यापमं (व्यावसायिक परीक्षा मंडल) के माध्यम से शिक्षकों की भर्ती परीक्षा आयोजित की थी। इसके बाद 2008-09 में भी व्यापमं के जरिए भर्ती परीक्षा कराकर शिक्षकों की नियुक्तियां की गईं। वहीं 2010-11 और 2012-13 में गुरुजी और अनुदेशकों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की गई, जिसके बाद उन्हें अध्यापक के रूप में नियुक्त किया गया।

दोबारा याचिका पर भी नहीं मिली राहत

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने पात्रता परीक्षा कराने के निर्देश जारी किए तो शिक्षक संगठनों ने इसका विरोध किया। इसके बाद विभाग और शिक्षक संगठनों ने अलग-अलग याचिकाएं दायर कर आदेश में राहत की मांग की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कर दिया कि पात्रता परीक्षा देना अनिवार्य होगा और इस शर्त में कोई छूट नहीं दी जा सकती।

एमपी के 24 जिलों पर मंडरा रहा है सूखे का खतरा

उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा संकट... बीज, सिंचाई और फसल बदलने का प्लान तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में इस बार मानसून सामान्य से कमजोर रहने की आशंका के बीच राज्य सरकार अलर्ट मोड में आ गई है। मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के बाद सरकार ने 24 जिलों के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर ली है। सबसे अधिक चिंता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह संभाग उज्जैन को लेकर है, जहां सबसे अधिक वर्षा की कमी रहने की आशंका जताई गई है। सरकार ने इन जिलों में किसानों को कम पानी वाली फसलें अपनाने, वैकल्पिक बीज उपलब्ध कराने, सिंचाई और जल संरक्षण के इंतजाम बढ़ाने तथा जिला स्तर पर माइक्रो प्लान लागू करने की तैयारी कर ली है। राजस्व और कृषि विभाग ने सूखे जैसी स्थिति बनने से पहले ही राहत और बचाव की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश में इस बार सामान्य वर्षा का केवल 90 से 94 प्रतिशत होने का पूर्वानुमान दिया है। 1 जून से 1 जुलाई तक सामान्य 139.7 मिमी की तुलना में केवल 92.4 मिमी वर्षा हुई, यानी 47 मिमी की कमी दर्ज की गई। मानसून के दूसरे चरण में भी बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना जताई गई है। कई जिलों में पहले ही सामान्य से 20 से 60 प्रतिशत तक वर्षा घाटा दर्ज हो चुका है। यदि जुलाई और अगस्त में भी पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो खरीफ फसलों के उत्पादन पर सीधा असर पड़ सकता है।

सरकार की सबसे बड़ी तैयारी क्या है?

सरकार ने संभावित सूखे से पहले ही कृषि और राजस्व विभाग को संयुक्त कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत 24 जिलों के लिए विशेष एडवाइजरी तैयार की गई है। सात जिलों में विस्तृत माइक्रो प्लानिंग होगी और कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से लगातार तकनीकी निगरानी की जाएगी। किसानों को मौसम के अनुसार खेती करने की सलाह मोबाइल, सोशल मीडिया और स्थानीय माध्यमों से दी जाएगी। जिला स्तर पर अधिकारियों को हालात की रोजाना समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार किसानों को कम अवधि और कम पानी वाली फसलें अपनाने की सलाह देगी। दलहन, तिलहन और मोटे अनाज का रकबा बढ़ाने पर जोर रहेगा। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार, वैकल्पिक फसल चयन कराया जाएगा। रिज एंड फरो, रेज्ड बेड और डायरेक्ट सीडेड राइस जैसी वैज्ञानिक खेती तकनीकों को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि कम पानी में भी उत्पादन प्रभावित न हो।

सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को दिया जाएगा बढ़ावा

सरकार ने वैकल्पिक फसलों के पर्याप्त बीज उपलब्ध कराने और समय पर वितरण की योजना बनाई है। मनरेगा के माध्यम से खेत तालाब, जल संरक्षण और जल संरचनाओं के निर्माण व मरम्मत पर काम होगा। उपलब्ध जल स्रोतों का अधिकतम उपयोग कराया जाएगा और सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि कम पानी में भी खेती जारी रह सके। राजस्व विभाग ने वर्ष 2020 की सूखा नीति के अनुसार पूरी कार्रवाई की तैयारी कर ली है। खरीफ फसलों के लिए 31 अक्टूबर तक और रबी फसलों के लिए 31 मार्च तक सूखे की घोषणा की जा सकेगी। विभाग के पास राहत कार्यों के लिए 20.9 करोड़ रुपए उपलब्ध हैं और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त राशि भी जारी की जाएगी।

कम पानी वाली फसलों पर दें विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्प वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान अपनी फसल का चयन सोच-समझकर करें। उन्होंने श्रीअन्न (मोटा अनाज) जैसे कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा के अलावा उड़द, मूंग और अरहर जैसी कम पानी में अच्छी पैदावार देने वाली फसलों का रकबा बढ़ाने की सलाह दी। उनके अनुसार ये फसलें जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के अनुरूप होने के साथ कम लागत, अधिक पोषण और बेहतर आमदनी का विकल्प भी हैं।

जल संरक्षण और वैज्ञानिक खेती पर जोर

मुख्यमंत्री ने किसानों से खेतों में उपलब्ध नमी को संरक्षित रखने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने और सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों का अधिकतम उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों और कृषि विभाग की तकनीकी सलाह का पालन करते हुए स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार फसल चयन किया जाए, ताकि उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। मुख्यमंत्री ने बताया कि कृषि, उद्यानिकी और संबंधित विभागों के माध्यम से जिलेवार स्थिति की लगातार समीक्षा की जा रही है। किसानों को बीज, तकनीकी मार्गदर्शन और अन्य आवश्यक कृषि आदान समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का उद्देश्य है कि किसी भी किसान को खेती के दौरान कठिनाइयों का सामना न करना पड़े और कृषि उत्पादन सुरक्षित बना रहे।

ईपीएफ के 64 साल पुराने नियम बदलने का विरोध

कर्मचारी संगठन बोले- आठ करोड़ कामगारों, कर्मचारियों वर्करों को भारी नुकसान होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कर्मचारी भविष्य निधि के 64 साल पुराने नियमों में किए गए बदलाव मिल मालिकों और उद्योगपतियों के लिए फायदेमंद हैं। यह कर्मचारी की सेवानिवृत्ति में मिलने वाले फंड में भारी कटौती करने वाला है। इसलिए इसका विरोध देश भर में करने की तैयारी है और इसके लिए कर्मचारी संगठन एकजुट होने लगे हैं।

केंद्र सरकार की कर्मचारी भविष्य निधि योजना 2026 के नए नियमों को देश भर के 7.31 करोड़ कर्मचारियों, वर्कर्स के पेट पर लात मारने वाला बताया जा रहा है जिसका सीधा असर 30 करोड़ लोगों पर पड़ेगा। देश में इसके पहले 1952 में बना नियम लागू है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि कर्मचारी भविष्य निधि योजना 2026 में यह प्रावधान बताया है कि इससे कर्मचारियों को अपना अंशदान 12 प्रतिशत से कम देना होगा और उसके हाथ में ज्यादा तनख्वाह आएगी। यह केवल एक पक्षीय है। इससे 8 करोड़ कामगारों कर्मचारियों, वर्करों को भारी नुकसान होगा।

संगठनों का कहना है कि यह बदलाव केंद्र सरकार ने पूंजीपतियों और उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है। नए नियम में यह दिखाया जा रहा है कि इससे कर्मचारियों को फायदा है। ज्यादा सैलरी नकद में आएगी, बल्कि हकीकत यह है कि वर्तमान व्यवस्था में जितना वेतन होता था, उसका 12 प्रतिशत अंशदान कर्मचारी का कटता था तथा 12 प्रतिशत अंशदान नियोक्ता मिलाता था। साथ ही 1.61 प्रतिशत स्थापना और बीमा के रूप में कटते थे। इससे यह होता था कि यदि किसी कल कारखाने, निगम मंडल, बोर्ड, विश्वविद्यालयों, अर्द्धशासकीय संस्थानों, लिमिटेड कंपनी, भेल, भिलाई में कार्य करने वाले किसी कर्मचारी, अधिकारी के हितों की रक्षा हो रही थी।

पुराने नियम से यह था फायदा

कर्मचारी नेता परसाई कहते हैं कि पुरानी योजना ईपीएफ योजना 1952 के अंतर्गत अभी एक लाख रुपए सैलरी पाने वाले कर्मचारी का खुद और नियोक्ता का अंशदान मिलाकर प्रति माह 24000 रुपए होता है। इस तरह वार्षिक राशि 2 लाख 88 हजार रुपए खाते में जमा हो रही थी। इस तरह पुरानी योजना में 2 लाख 88 हजार और नई योजना में 43200 जमा होंगे। इस प्रकार कर्मचारी को 2 लाख 63 हजार रुपए का नुकसान होगा। मध्य प्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर का कहना है कि इस नियम से सबसे बड़ा फायदा नियोक्ता (मालिक) को होने जा रहा है। अब वह 15 हजार रुपये के वेतन पर ही 1800 रुपये प्रतिमाह का अंशदान करेगा। अभी उसको 12 हजार रुपए प्रतिमाह करना पड़ता था।

मामला तूल पकड़ने पर तकनीकी खामी बताकर किया सुधार

मजदूर के घर आया 11 लाख का बिजली बिल विभाग के कारनामे से बैगा परिवार के उड़े होश

मंडला, दोपहर मेट्रो

बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिले के एक बैगा आदिवासी मजदूर परिवार को 11 लाख 44 हजार 680 रुपये का बिजली बिल जारी कर दिया गया। मामला सामने आने के बाद विभाग ने जांच कर इसे तकनीकी त्रुटि बताया और बिल में सुधार कर दिया। हालांकि, इस घटना ने विभाग की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत झिरिया के ग्राम डूंडा निवासी रत्तेसिंह कन्हरिया बैगा आदिवासी समुदाय से हैं और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनका परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकान में रहता है। सामान्यतः उनके घर का मासिक बिजली बिल 100 से 200 रुपये के बीच आता रहा है।

बताया गया कि करीब चार माह पहले उनके घर का बिजली मीटर खराब हो गया था। इसकी शिकायत रत्तेसिंह ने बिजली विभाग के टोल-फ्री नंबर 1912 पर दर्ज कराई थी, लेकिन न तो मीटर बदला गया और न ही समस्या का समाधान किया गया। इसी दौरान विभाग ने उनके खिलाफ बिजली चोरी का प्रकरण भी दर्ज कर लिया।

परिवार उस समय हैरान रह गया, जब रत्तेसिंह के मोबाइल पर 11 लाख 44 हजार 680 रुपये का बिजली बिल पहुंचा। मजदूरी कर जीवनयापन करने वाले इस परिवार के लिए इतनी बड़ी राशि का बिल किसी बड़े झटके से कम नहीं था। बिल देखने के बाद पूरा परिवार चिंता और भय में डूब गया।

11 लाख का बिल घटकर हुआ 10 हजार

मामला सार्वजनिक होने के बाद बिजली विभाग ने जांच कराई। मंडला विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता अजीत चौहान ने बताया कि बिल तकनीकी त्रुटि के कारण गलत जारी हुआ था। विभाग के अनुसार, बिजली चोरी के प्रकरण में पेनाल्टी सहित वास्तविक देय राशि 10 हजार 814 रुपये है, जिसे संशोधित कर दिया गया है। हालांकि विभाग ने बिल में सुधार कर दिया है, लेकिन यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। आखिर एक गरीब आदिवासी परिवार के नाम लाखों रुपये का बिजली बिल कैसे जारी हो गया? शिकायत के बावजूद महीनों तक खराब मीटर क्यों नहीं बदला गया? क्या केवल तकनीकी त्रुटि बताकर इस तरह की चूक की जिम्मेदारी से बचा जा सकता है?

बिजनेस जेट में यात्रा करेंगे एमपी के सीएम

अगस्त में आएगा आधुनिक बॉम्बार्डियर चैलेंजर विमान

रोजाना 21 लाख खर्च हो रहे हैं किराए के विमानों पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार अगस्त में अपने विमानन बेड़े में कनाडा निर्मित बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500 बिजनेस जेट शामिल करने जा रही है। 235 करोड़ रुपए की लागत वाला यह विमान गुजरात सरकार के चैलेंजर 650 से अधिक आधुनिक माना जा रहा है। इसे उड़ाने के लिए दो पायलट जुलाई के आखिरी हफ्ते में अमेरिका में प्रशिक्षण लेने जाएंगे।

विमान को कनाडा से भारत लाने की डीजीसीए (डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले पांच सालों में वीआईपी यात्राओं के लिए किराए के विमान पर 290 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में औसतन 21 लाख रुपए प्रतिदिन किराए के विमानों पर खर्च हो रहे हैं। राज्य का कर्ज 4.64 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है और सालाना ब्याज भुगतान 27 हजार करोड़ रुपए है। इसी खर्च को कम करने के लिए सरकार 235 करोड़ रुपए का नया बिजनेस जेट खरीद रही है।

क्यों चुना गया बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500

नया विमान खरीदने की प्रक्रिया करीब दो वर्ष पहले शुरू हुई। शुरुआती चरण में टेक्सट्रोन ने 145 करोड़ रुपए का प्रस्ताव दिया, लेकिन कीमत 208 करोड़ रुपए करने पर प्रक्रिया रद्द कर दी गई। 10 जुलाई 2024 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट ने बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500 खरीदने को मंजूरी दी। सितंबर 2024 में तकनीकी और वित्तीय प्रक्रियाएं आगे बढ़ीं। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद विमान अगस्त 2026 में राज्य के बेड़े में शामिल होगा।

मेट्रो एंकर

'क्रिटिकल मिनरल हब' की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

ग्रेफाइट के विशाल भंडार से ईवी -हरित ऊर्जा क्षेत्र को मिलेगी ताकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश खनिज संपदा के दम पर देश के औद्योगिक मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। बैतूल से अलीराजपुर तक फैली ग्रेफाइट बेल्ट में उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के विशाल भंडार मिलने से प्रदेश अब देश के उभरते हुए 'क्रिटिकल मिनरल हब' के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खनिज संसाधनों की प्रचुरता, निवेश अनुकूल नीतियां और आधुनिक खनन व्यवस्था प्रदेश को औद्योगिक विकास का नया केंद्र बना रही हैं। इससे न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी नई गति प्राप्त होगी।

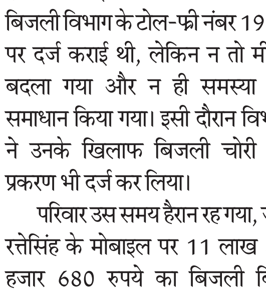

प्रदेश में मिले ग्रेफाइट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी उच्च स्थिर कार्बन (हाई फिक्स्ड कार्बन) और उत्कृष्ट फ्लेकी गुणवत्ता है। यही कारण है कि यह खनिज इलेक्ट्रिक वाहनों की लिथियम-आयन बैटरियों, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उपकरण और उच्च तकनीकी उद्योगों के लिए बेहद उपयोगी माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज मध्यप्रदेश को हरित ऊर्जा आधारित औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बना सकती है। ग्रेफाइट के प्रमुख भंडार बैतूल, अलीराजपुर और सीधी जिलों में चिन्हित किए गए हैं। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के अनुसार अकेले बैतूल जिले में लगभग 11 मिलियन मीट्रिक टन ग्रेफाइट संसाधनों का अनुमान है। चिखलार, गौठाना और गोलीघाट क्षेत्र भविष्य के प्रमुख खनन केंद्र बनकर उभर रहे हैं। इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं।

व्यावसायिक खनन को मिली नई रफ्तार

प्रदेश में ग्रेफाइट खनन को तब नई दिशा मिली जब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड ने गैर-कोयला खनन क्षेत्र में प्रवेश करते हुए अलीराजपुर जिले के खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक का अधिग्रहण किया। इससे बड़े पैमाने पर व्यावसायिक खनन का रास्ता खुला है। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि बैतूल क्षेत्र में ग्रेफाइट के साथ वेनेडियम जैसे रणनीतिक खनिज मिलने की भी संभावना है, जिससे प्रदेश की खनिज क्षमता और मजबूत होगी।

ईवी उद्योग और ऊर्जा भंडारण को मिलेगा लाभ

दुनियाभर में इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण तकनीकों की बढ़ती मांग के बीच ग्रेफाइट की अहमियत लगातार बढ़ रही है। मध्यप्रदेश में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाला ग्रेफाइट देश में बैटरी निर्माण उद्योग को मजबूती देगा। इससे इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण, सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बैटरी उत्पादन तथा रक्षा एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों को घरेलू स्तर पर कच्चा माल उपलब्ध हो सकेगा। इसके साथ ही ग्रेफाइट के आयात पर निर्भरता भी घटेगी और विदेशी मुद्रा की बचत होगी।

वर्क-लाइफ बैलेंस

मानसिक शांति, स्वास्थ्य और रिश्तों की अहमियत समझें

सफलता तभी सही, जब जीवन भी साथ चले

कुछ दशक पहले तक नौकरी का मतलब तय समय पर दफ्तर जाना और वापस आकर परिवार के साथ समय बिताना होता था। आज स्मार्टफोन और इंटरनेट ने काम को चौबीसों घंटे हमारे साथ जोड़ दिया है। नतीजा यह है कि लोग आर्थिक रूप से तो आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन मानसिक शांति, स्वास्थ्य और रिश्तों की कीमत भी चुका रहे हैं।

सुबह आंख खुलते ही मोबाइल पर ई-मेल, दिनभर मीटिंग, शाम तक लक्ष्य पूरे करने की भागदौड़ और रात में भी ऑफिस के संदेशों का जवाब। यह दृश्य आज लाखों लोगों की दिनचर्या बन चुका है। तकनीक ने काम को आसान तो बनाया है, लेकिन उसने दफ्तर और घर के बीच की सीमाएं भी लगभग मिटा दी हैं। ऐसे दौर में एक शब्द तेजी से चर्चा में है। वर्क-लाइफ बैलेंस, यानी काम और निजी जीवन के बीच संतुलन।

वर्क-लाइफ बैलेंस का अर्थ यह नहीं कि काम कम किया जाए। इसका वास्तविक मतलब है कि व्यक्ति अपने पेशेवर दायित्वों के साथ-साथ परिवार, स्वास्थ्य, मित्रों, शौक और स्वयं के लिए भी पर्याप्त समय निकाल सके। यदि करियर की सफलता के लिए परिवार और स्वास्थ्य की अनदेखी हो रही है, या निजी जीवन के कारण काम प्रभावित हो रहा है, तो समझिए संतुलन बिगड़ चुका है।

क्यों बढ़ रही है इसकी जरूरत

आज कंपनियों में प्रतिस्पर्धा पहले से कहीं अधिक है। बेहतर प्रदर्शन, समय पर लक्ष्य और लगातार उपलब्ध रहने का दबाव कर्मचारियों को मानसिक रूप से थका देता है। कई लोग छुट्टी के दिन भी लैपटॉप खोलकर बैठ जाते हैं। घर पर रहते हुए भी उनका मन ऑफिस में ही उलझा रहता है। लगातार तनाव का असर केवल कार्यक्षमता पर नहीं पड़ता, बल्कि शरीर और मन दोनों पर दिखाई देता है। अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, चिंता, अवसाद, चिड़चिड़ापन और रिश्तों में दूरियां जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि लंबे समय तक असंतुलित जीवनशैली व्यक्ति की रचनात्मकता और निर्णय क्षमता को भी प्रभावित करती है।

परिवार और शौक भी हैं जरूरी

जीवन केवल नौकरी नहीं है। परिवार के साथ बिताया गया समय, दोस्तों से मुलाकात, किताबें पढ़ना, संगीत सुनना, बागवानी, खेलकूद या यात्रा जैसी गतिविधियां मानसिक ऊर्जा का स्रोत हैं। जो लोग अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, वे तनाव का बेहतर सामना कर पाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दिन में कुछ मिनट स्वयं के लिए निकालना किसी विलासिता का नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का हिस्सा है। पर्याप्त नींद, नियमित व्यायाम और संतुलित भोजन भी वर्क-लाइफ बैलेंस की मजबूत नींव हैं। वर्क-लाइफ बैलेंस कोई एक दिन में मिलने वाली उपलब्धि नहीं, बल्कि रोजमर्रा की आदतों का परिणाम है। काम की प्राथमिकताएं तय करना, गैर-जरूरी जिम्मेदारियों को विनम्रता से मना करना, छुट्टियों का पूरा उपयोग करना और परिवार के लिए निश्चित समय तय करना इसकी शुरुआत हो सकती है।

सफलता का नया पैमाना

एक समय था जब अधिक वेतन और बड़ा पद ही सफलता का पर्याय माने जाते थे। लेकिन अब युवा पीढ़ी की सोच बदल रही है। वे ऐसे कार्यस्थल चाहते हैं जहां सीखने के अवसर हों, काम का लचीलापन हो और निजी जीवन के लिए भी समय मिले। दुनिया की कई बड़ी कंपनियां कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता, फ्लेक्सिबल वर्किंग ऑवर, हाइब्रिड वर्क और अतिरिक्त अवकाश जैसी सुविधाएं दे रही हैं। दरअसल, अब यह समझ बढ़ रही है कि खुश और स्वस्थ कर्मचारी ही बेहतर प्रदर्शन करते हैं। थका हुआ व्यक्ति अधिक समय तो काम कर सकता है, लेकिन बेहतर परिणाम नहीं दे सकता।

तकनीक: सुविधा भी, चुनौती भी

स्मार्टफोन और इंटरनेट ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन यही तकनीक वर्क-लाइफ बैलेंस की सबसे बड़ी चुनौती भी बन गई है। हर समय आने वाले नोटिफिकेशन, ई-मेल और मैसेज व्यक्ति को मानसिक रूप से काम से अलग नहीं होने देते। ऐसे में 'डिजिटल डिटॉक्स' की जरूरत महसूस की जा रही है। दिन का एक निश्चित समय ऐसा होना चाहिए जब मोबाइल और लैपटॉप से दूरी बनाई जाए। भोजन के समय, परिवार के साथ बैठते समय या सोने से पहले स्क्रीन से दूर रहना मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है।

वर्क-लाइफ बैलेंस के नियम

काम का समय तय करें।, दिन में छोटे-छोटे ब्रेक लें।, रोज कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें।, परिवार के साथ बिना मोबाइल समय बिताएं।, पर्याप्त नींद लें।, छुट्टियां लेने में संकोच न करें।, सप्ताह में एक दिन डिजिटल डिटॉक्स करें।

जीवन ज्योति

नकारात्मक ऊर्जा: सबसे पहले स्वयं को सुरक्षित रखें

सिस्टर बीके शिवानी
मोटिवेशनल स्पीकर

हम अक्सर कहते हैं कि फलाँ व्यक्ति बहुत नकारात्मक है, उसके पास जाते ही मन खराब हो जाता है। लेकिन क्या वास्तव में कोई दूसरा व्यक्ति हमारी ऊर्जा छीन सकता है? सच्चाई यह है कि हमारी आंतरिक स्थिति का नियंत्रण हमारे अपने हाथ में है। जब तक हम स्वयं अपने मन के द्वार नहीं खोलते, तब तक कोई भी नकारात्मक ऊर्जा हमारे भीतर प्रवेश नहीं कर सकती।

हर विचार एक ऊर्जा है। हम दिनभर जो सोचते हैं, वही ऊर्जा अपने चारों ओर फैलाते हैं। यदि मन में क्रोध, ईर्ष्या, भय, शिकायत और असंतोष भरा है तो हम अनजाने में नकारात्मक ऊर्जा का प्रसारण कर रहे हैं। वहीं प्रेम, शांति, करुणा, धैर्य और कृतज्ञता के विचार सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण करते हैं। अक्सर हम कहते हैं कि सामने वाले ने हमें गुस्सा दिला दिया या दुखी कर दिया। लेकिन यदि कोई हमें अपशब्द कहे और हम उसे स्वीकार ही न करें, तो वह हमारे भीतर कैसे टिकेगा? दूसरे के व्यवहार पर हमारा अधिकार नहीं है, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया पर पूरा अधिकार है। इसलिए परिस्थिति चाहे जैसी भी हो, अपनी मानसिक शांति को किसी के हाथ में नहीं देना चाहिए।

नकारात्मक ऊर्जा से बचने का सबसे सरल उपाय है कि दिन की शुरुआत सकारात्मक विचारों से करें। सुबह उठते ही मोबाइल, समाचार या सोशल मीडिया की बजाय कुछ मिनट स्वयं के साथ बिताएँ। मन में यह संकल्प लें– 'मैं एक शांत, शक्तिशाली और सकारात्मक आत्मा हूँ। आज कोई भी परिस्थिति मेरी आंतरिक शांति को नहीं छीन सकती।' यह छोटा-सा अभ्यास पूरे दिन की ऊर्जा बदल सकता है। एक और महत्वपूर्ण बात है–क्षमा करना सीखिए। जब हम किसी के प्रति क्रोध या शिकायत को लंबे समय तक पकड़े रखते हैं, तो सबसे अधिक नुकसान हमारा अपना मन उठाता है। क्षमा का अर्थ यह नहीं कि सामने वाला सही था; इसका अर्थ है कि मैं अपने मन को उस बोझ से मुक्त कर रहा हूँ।

सकारात्मक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है कृतज्ञता। जो हमारे पास नहीं है, उस पर ध्यान देने से अभाव की भावना बढ़ती है; लेकिन जो मिला है, उसके प्रति आभार व्यक्त करने से मन संतुष्ट और शक्तिशाली बनता है। हर रात सोने से पहले दिन की तीन अच्छी बातों को याद करें और ईश्वर को धन्यवाद दें। धीरे-धीरे मन का दृष्टिकोण बदलने लगेगा।

याद रखिए, हम परिस्थितियों के शिकार नहीं हैं, बल्कि अपने विचारों के निर्माता हैं। यदि भीतर शांति है, तो बाहर का शोर हमें अधिक देर तक विचलित नहीं कर सकता। संसार में हमेशा सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार की ऊर्जा रहेंगी, लेकिन हमें यह चुनने की स्वतंत्रता है कि हम किस ऊर्जा को ग्रहण करें और किस ऊर्जा का प्रसारण करें। जब हम स्वयं प्रकाश बन जाते हैं, तब अंधकार से लड़ने की आवश्यकता नहीं रहती। एक छोटा-सा दीपक भी पूरे कमरे का अंधकार दूर कर देता है। उसी प्रकार एक सकारात्मक विचार हमारे जीवन की दिशा बदल सकता है। इसलिए हर दिन स्वयं से कहें– 'मैं परिस्थितियों से नहीं, अपने श्रेष्ठ विचारों से संचालित हूँ। मेरी सकारात्मक ऊर्जा ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। '

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 05 से 11 जुलाई तक

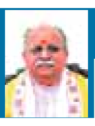

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष : राशि के जातक इस सप्ताह उत्तम आर्थिक उपलब्धि अर्जित कर सकेंगे, आपका रुका हुआ धन प्राप्त होगा, साथ ही आर्थिक कर्म से रुके हुए कार्य होना प्रारंभ हो सकेंगे। भवन भूमि संबंधी कार्य आगे बढ़ेंगे ,और उनमें सफलता प्राप्त होगी।

वृषभ: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं, यात्रा भूमि भवन वाहन संबंधी कार्य एवं घर के मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनने से मन प्रसन्न रहेगा, कृषि कार्य एवं व्यापार में लगे वृषभ राशि के जातकों को अपने व्यापार व्यवसाय में उत्तम सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन: राशि के जातकों को नई जिम्मेदारी मिलने से कार्य की अधिकता बढ़ सकती है ,तथा उनके कार्यों में निरंतर प्रगति होगी, आर्थिक रूप से एवं सामाजिक कार्यों में वृद्धि होने से मान सम्मान एवं आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा, व्यापार व्यवसाय एवं कृषि क्षेत्र के कार्यों में सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं छात्र एवं विद्यार्थी वर्ग को कंपटीशन में उत्तम सफलता अर्जित होगी।

कर्क: राशि के जातक इस सप्ताह में कुछ शिथिलता का अनुभव करेंगे अपने स्वास्थ्य संबंधी गड़बड़ी के कारण उनको कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, उधर विकार विशेष रूप से हो सकता है, अतः खान-पान और दिनचर्या में नियंत्रण रखने की आवश्यकता बनी हुई है।

सिंह: राशि के जातक इस सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव करेंगे व्यापार व्यवसाय एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सावधानी की आवश्यकता है, आपके निकट के लोगों के द्वारा कुछ गड़बड़ी पैदा की जा सकती है ,आर्थिक लेनदेन में विशेष सावधानी बरतनी की आवश्यकता है।

कन्या: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे ,आपके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना होगी ,साथी घर परिवार के विशेष दायित्व मांगलिक कार्य जैसे कार्य शुभारंभ हो सकता है।

तुला :राशि के जातक तुला राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, सामाजिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में आपकी कार्यों की प्रशंसा होगी, भूमि भवन वाहन संबंधी कार्यों में सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक : राशि के जातक आगामी सप्ताह में स्थिरता का अनुभव करेंगे आपके द्वारा लगातार किए गए प्रयासों से कोई विशिष्ट कार्य संपन्न होने जा रहा है। जिससे आपकी सामाजिक पारिवारिक एवं आर्थिक दृष्टि से संपन्निता का अनुभव होगा, सामाजिक रूप से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी ,व्यापार व्यवसाय में उत्तम लाभ होने के संकेत हैं।

धनु : राशि के जातक आगामी सप्ताह में विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता बनी हुई है, लेकिन कृषि एवं व्यावसायिक क्षेत्र में आपको उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं। स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखने की आवश्यकता है। आपको हड्डियों में दर्द कठिनाई का अनुभव कर सकती हैं पता 50 वर्ष से आयु के ऊपर के जातक विशेष सावधानी रखें ,बात विकार समस्या दे सकता है।

मकर : राशि के जातक आगामी सप्ताह में व्यवसाय एवं पर्यटन संबंधी कार्यों के कारण अनेक स्थानों पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त करेंगे आर्थिक प्रभाव निरंतर बना रहेगा, आर्थिक दृष्टि से आप सावधानी से कार्य करें,धनागम में कमी होना और खर्चे में अधिकता होने के संकेत मिल रहे हैं।

कुंभ: राशि के जातक अत्यंत भ्रमणशील रहने के संकेत हैं आपके व्यापार व्यवसाय में वृद्धि होगी ,घर में परिवार में मांगलिक कार्य की आहट सुनाई दे रही है, आगामी दिनों में होने वाले मांगलिक कार्य की तैयारी और रूपरेखा में आपकी व्यस्तता प्रारंभ हो जाएगी।

मीन: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है आपके स्वास्थ्य में गिरावट साथी उधर विकार की समस्या के कारण हड्डियों के दर्द के कारण आपको परेशानी का अनुभव हो सकता है अतः इस संबंध में विशेष सावधानी रखें साथी विशेष लंबी यात्रा करने से बचें।

दिया कबीरा रोय

एक युवा व्यंग्यकार की कलम से

व्यवस्था का वीआईपी दरवाज़ा

कहा जाता है कि लोकतंत्र में सभी नागरिक बराबर होते हैं। यह बात पूरी तरह सही है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ नागरिक बराबरी की कतार में खड़े रहते हैं और कुछ सीधे उस दरवाज़े से भीतर चले जाते हैं, जिस पर लिखा होता है– 'केवल विशेष लोगों के लिए।' हमारे देश में दरवाज़े भी बड़े संस्कारी होते हैं। आम आदमी को देखकर विनम्रता से बंद हो जाते हैं और परिचय-पत्र, सिफारिश या रसूख देखकर अपने-आप खुल जाते हैं। विज्ञान आज तक यह रहस्य नहीं समझ पाया कि इन दरवाज़ों में सेंसर लगा है या संस्कार।

दफ्तरों की अपनी एक अलग संस्कृति है। वहां कुर्सी पर बैठा व्यक्ति काम कम और 'प्रक्रिया' अधिक करता है। आप पूछिए, 'मेरा काम कब होगा?' उत्तर मिलेगा, 'प्रक्रिया चल रही है।' यह प्रक्रिया ऐसी नदी है, जो बहती तो रहती है, लेकिन मंजिल तक कब पहुंचेगी, इसका अनुमान मौसम विभाग भी नहीं लगा सकता। आजकल हर कार्यालय डिजिटल हो चुका है। पहले आदमी फाइल ढूंढ़ता था, अब फाइल आदमी को ढूंढ़ती है। कभी पासवर्ड गलत निकल आता है, कभी सर्वर छुट्टी पर चला जाता है और कभी वेबसाइट यह बताकर आत्मसम्मान बचा लेती है कि 'तकनीकी कारणों से सेवा बाधित है।' तकनीकी कारण अब इस देश का सबसे जिम्मेदार कर्मचारी है। हर गलती उसी के सिर मढ़ दी जाती है।

व्यवस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने इंतजार को राष्ट्रीय चरित्र बना दिया है। अस्पताल में इंतजार, दफ्तर में इंतजार, सड़क पर इंतजार, फोन पर इंतजार और कभी-कभी तो अपने ही आवेदन के जीवित होने का इंतजार। नागरिक धैर्य की ऐसी साधना करता है कि बड़े-बड़े योगी भी उससे प्रेरणा लेने लगें। हमारे यहां योजनाएं बहुत बनती हैं। हर योजना का जन्म बड़े उत्साह से होता है। मंच सजता है, फीता कटता है, भाषण होते हैं और कैमरे मुस्कराते हैं। उसके बाद योजना फाइलों के वातानुकूलित वातावरण में चली जाती है, जहां उसका पालन-पोषण वर्षों तक होता रहता है। जनता बीच-बीच में पूछती है– 'योजना कहां है?' जवाब मिलता है– 'जमीन पर उतर रही है।' शायद उसे पैराशूट मिलने में देर लग रही होती है।

शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था भी अद्भुत है। शिकायत करते ही मोबाइल पर संदेश आता है– 'आपकी शिकायत हमारे लिए महत्वपूर्ण है।' यह पढ़कर शिकायतकर्ता भावुक हो जाता है। फिर महीनों बाद दूसरा संदेश आता है– 'आपकी शिकायत का निराकरण कर दिया गया है।' निराकरण किसका हुआ–समस्या का या शिकायतकर्ता के धैर्य का–यह कोई नहीं बताता। व्यवस्था को प्रमाणपत्रों से विशेष प्रेम है। आपको यह सिद्ध करना पड़ता है कि आप वही हैं, जो आप पिछले पचास वर्षों से हैं। आदमी अपनी पहचान से कम और उसके प्रमाणों से ज्यादा पहचाना जाने लगा है। कभी-कभी लगता है कि अगर आत्मा को भी स्वर्ग में प्रवेश लेना हो, तो उससे भी आधार, पैन और दो गवाह मांगे जाएंगे।

लेकिन व्यवस्था को पूरी तरह दोष देना भी उचित नहीं। उसने हमें बहुत कुछ सिखाया है–लाइन में खड़े रहना, बिना उत्तर के संतुष्ट रहना, हर असुविधा को 'चलता है' कहकर स्वीकार करना और सबसे बढ़कर यह विश्वास बनाए रखना कि अगली बार शायद सब ठीक हो जाएगा। शायद यही उम्मीद इस देश की सबसे बड़ी पूंजी है। नागरिक हर बार नए उत्साह से आवेदन भरता है, नई उम्मीद से टैक्स देता है और नए विश्वास से वोट डालता है। व्यवस्था भी हर बार नए वादों के साथ उसका स्वागत करती है। दोनों एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं और इसी भरोसे पर लोकतंत्र की गाड़ी चलती रहती है।

जज़्बा और जूनून

इंजीनियरिंग कैरियर छोड़ 40 की उम्र में किया एमबीबीएस, अब अमेरिका में डॉक्टर हैं जान्हवी

40 की उम्र में जहां लोग सेटल होने के बारे में सोचते हैं, वहां जान्हवी अजीत राव ने 18 साल का सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग करियर छोड़ दिया। उन्होंने एमबीबीएस किया और आज 47 साल की उम्र में अमेरिका में डॉक्टर के रूप में प्रैक्टिस कर रही हैं। कभी-कभी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है, जो पूरे जीवन की दिशा बदल देता है। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है जान्हवी अजीत राव ने। जान्हवी ने जो फैसला लिया, उसने हर किसी को हैरान कर दिया।

40 साल की उम्र में लोग अपने रिटायरमेंट या भविष्य की प्लानिंग में व्यस्त होते हैं, वहीं जान्हवी ने मेडिकल कॉलेज की दहलीज पर कदम रखा। उन्होंने अपना चमकता हुआ इंजीनियरिंग करियर छोड़ दिया और नए सिरे से MBBS की पढ़ाई शुरू की। आज उनकी कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग उनके इस बेखौफ फैसले और गजब के जज्बे की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। हर कोई यही कह रहा है कि जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने के लिए कभी भी देर नहीं होती।

जान्हवी का जन्म महाराष्ट्र के औरंगाबाद में हुआ था। उन्होंने सैन डिएगो में स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से 'बैचलर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स' की डिग्री ली। फिर Santa Barbara की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से मास्टर्स किया। इसके बाद अमेरिका की कई टॉप टेक कंपनियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम किया। साल 2002 में इंजीनियर पति के साथ बेंगलुरु शिफ्ट हो गईं। भारत लौटकर उन्होंने कई टॉप कंपनियों में काम किया। फिर डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में टेक्नोलॉजी कंपनी शुरू की।

2003 में बदल गई जिंदगी: जब जान्हवी का करियर सातवें आसमान पर था, तभी साल 2003 में उनकी जिंदगी में एक बड़ा मोड़ आया। उन्हें Rheumatoid Arthritis नाम की ऑटोइम्यून बीमारी का पता चला। अपने इलाज के दौरान उन्होंने बहुत करीब से देखा कि डॉक्टर किस तरह मरीजों की जिंदगी बदलते हैं और उन्हें नया जीवन देते हैं। डॉक्टरों के सेवा भाव और जादू ने जान्हवी का दिल छू लिया। यहीं से उनके मन में इंजीनियरिंग छोड़कर मेडिकल की दुनिया में आने का विचार कौंधा और लक्ष्य को हासिल भी किया।

न्यूज विंडो

सीएमओ ने बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं

नर्मदापुरम। मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा सिटी कोतवाली टीआई गौरव सिंह बुंदेला के साथ नगर के बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने दुकान के बाहर रखी सामग्री को दुकानदारों से अंदर रखने की समझाइश दी। निरीक्षण के दौरान अतिक्रमण दल आदि उपस्थित थे। अतिक्रमण दल प्रभारी आरएसआई शेख अकबर ने बताया कि आज सीएमओ श्री देशमुख द्वारा नगर के बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। दुकान के बाहर रखी सामग्री को अंदर रखने की समझाइश दी। साथ ही उन्होंने नगर के अतिक्रमण दल को निर्देशित किया गया कि मार्ग अवरूद्ध करने वालों को मार्ग से हटाकर निर्धारित स्थान पर पहुंचाएं। नगर के प्रमुख मार्गों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रतिदिन जारी रहेगी। नपा के अतिक्रमण दल में शेख शिकंदर, सतीष रघुवंशी, कैलाश कन्नौजिया, नीतेश गौर आदि उपस्थित रहे।

स्कूल-कॉलेजों में चलेगा नशा विरोधी अभियान, दवा दुकानों पर निगरानी

नर्मदापुरम। जिले में नशे के खिलाफ अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए कलेक्ट्रेट के रेवा सभा कक्ष में कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नारकोटिक्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशे की रोकथाम, नशामुक्ति, पुनर्वास और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी स्कूलों और महाविद्यालयों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग, उनके दुष्प्रभावों तथा नशामुक्ति विषय पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए लगातार

जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। बैठक में कलेक्टर ने जिले में संचालित नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा नशे से प्रभावित लोगों की काउंसलरों के माध्यम से नियमित काउंसलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय निकायों के माध्यम से नशामुक्ति अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। कलेक्टर ने मादक पदार्थों की पहचान एवं रोकथाम के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता का समय-समय पर आकलन करने और जरूरत के अनुसार उनकी व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले के किसी भी स्कूल या कॉलेज परिसर से 100 मीटर की परिधि में मादक पदार्थों की बिक्री करने वाली कोई दुकान संचालित नहीं होनी चाहिए। यदि ऐसी दुकानें पाई जाती हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक समरसता का दिया संदेश

गंजबासौदा। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक स्वर्गीय विराग पाचपोर की स्मृति में विभिन्न औषधीय एवं दैवीय पौधों का रोपण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उनके राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। मंच के गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह-संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा कि स्व. विराग पाचपोर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित प्रचारक रहे और नागपुर में वरिष्ठ पत्रकार के रूप में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ईसाई और मुस्लिम समाज के बीच रहकर राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रसार, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा गरीब, दलित और वनवासी समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। वरिष्ठ नेता सैयद सरवर अली और शकील अहमद खान ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के पर्यावरण प्रकोष्ठ द्वारा 1 से 30 जुलाई तक सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने परिजनों, शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं माताओं की स्मृति में कम से कम एक पौधा लगाने और उसके वृक्ष बनने तक देखभाल करने का आह्वान किया। समाजसेवी फेरन सिंह लोधी और चतर सिंह लोधी ने पौधारोपण के धार्मिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की।

अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण समिति की बैठक

एफआईआर में कार्रवाई, छात्रावास स्थानांतरण और आरोपी शिक्षक पर सख्त कार्रवाई की मांग

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्टर कार्यालय में शनिवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण तथा जिला स्तरीय सतर्कता, सलाहकार एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक साईंकृष्ण एस. थोटा, जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त विवेक नागवंशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में समिति के सदस्य सुशील बरखड़े, अतुल भंडारी, देवेंद्र परिहार तथा जिला अत्याचार निवारण समिति के सदस्य एवं भाजपा जिला महामंत्री मुकेश चंद्र मैना ने अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामलों को प्रमुखता से उठाया।मुकेश चंद्र मैना ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़े एक प्रकरण में एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने 16 मार्च 2026 को संज्ञान लिया था तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के माध्यम से भी जिला प्रशासन से दो बार जवाब मांगा गया, लेकिन अब तक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया है। बैठक में इटारसी स्थित शासकीय कन्या विद्यालय के समीप स्थित जर्जर अनुसूचित जाति-जनजाति छात्रावासों का मुद्दा भी उठाया गया। समिति ने मांग की कि छात्राओं को तत्काल सुरक्षित भवनों में स्थानांतरित किया जाए। इसके लिए एफसीआई सूरजगंज के पास खाली पड़े दो छात्रावास भवनों का उपयोग करने तथा नजूल भूमि का निरीक्षण कर नए छात्रावास निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा केसला विकासखंड के रतिबंदर (विस्थापित ग्राम) के एक शिक्षक गोपाल गिरी पर आदिवासी छात्रों के साथ कथित अभद्र व्यवहार और मारपीट के मामले को भी गंभीरता से उठाया गया। समिति ने बताया कि इस मामले में पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज है। बैठक में आरोपी शिक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करते हुए सेवा समाप्ति की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई। बैठक में अधिकारियों ने उठाए गए विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

680 किलो महुआ लाहन और 19 लीटर कच्ची शराब जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध शराब के निर्माण और कारोबार के खिलाफ आबकारी विभाग का अभियान लगातार जारी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर शनिवार को पिपरिया शहर वृत्त क्षेत्र में की गई सघन कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग ने 680 किलोग्राम महुआ लाहन और 19 लीटर हाथ भट्टी से निर्मित अवैध शराब जब्त की। इस कार्रवाई में कुल 8 प्रकरण दर्ज किए गए। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में आबकारी टीम ने अंबेडकर वार्ड, कुचबंदिया मोहल्ला, हाथवास, ग्राम राईखेड़ी और रिछेड़ा में एक साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर अवैध शराब और महुआ लाहन जब्त किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 71 हजार 800 रुपये बताई है।

शहडोल के बीईओ नापे गए, उमरिया के डीईओएमएफ पर उठे सवाल

उमरिया। दोपहर मेट्रो

शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। शहडोल जिले में अनियमितताओं के आरोपों पर तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) अशोक कुमार शर्मा के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें पद से हटाया गया, लेकिन उमरिया जिले में करोड़ों रुपये के डीएमएफ मद के उपयोग को लेकर उठे गंभीर सवालों के बावजूद अब तक केवल कागजी कार्रवाई ही नजर आ रही है। आरोप है कि अशोक शर्मा ने वर्ष 2014 से 2020 के बीच विभिन्न बैंक खातों से सरकारी राशि का संचालन किया। मामला सामने आने के बाद कार्रवाई करते हुए उन्हें सेवा से पृथक कर दिया। उमरिया डीएमएफ मद से जुड़े करोड़ों के खर्च और राशि हस्तांतरण को लेकर जिम्मेदारों की भूमिका पर अब भी स्पष्टता नहीं है।

बारिश ने खोली नगर पालिका की तैयारियों की पोल, सड़कों पर बहा पानी

धनपुरी। दोपहर मेट्रो

शहडोल जिले की सबसे समृद्ध नगर पालिकाओं में गिनी जाने वाली धनपुरी नगर पालिका में मानसून की पहली तेज बारिश ने व्यवस्थाओं की हकीकत उजागर कर दी। लगभग एक से डेढ़ घंटे तक हुई बारिश के बाद पुरानी बस्ती और बलियास क्षेत्र की सड़कों पर पानी बहता नजर आया। कई स्थानों पर नालियां जाम होने के कारण वर्षा का पानी समय पर नहीं निकल सका, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। हर वर्ष बारिश से पहले नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था किए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति कुछ और ही दिखाई देती है। सवाल यह उठ रहा है कि यदि धनपुरी नगर पालिका संसाधनों और बजट के मामले में जिले की सबसे सक्षम नगर पालिकाओं में शामिल है, तो फिर मानसून पूर्व तैयारियां समय पर क्यों नहीं की गईं। बारिश के बाद सामने आए हालात ने नगर पालिका के कार्यों पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते नालियों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त की जाती, तो सड़कों पर जलभराव जैसी स्थिति नहीं बनती।

विधायक उमाकांत शर्मा ने 22 लाख की विधायक निधि से स्वीकृत कर 11 फायर फाइटर टैंकर सौंपे

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी सेवा पखवाडे के अंतर्गत जनसेवा और जनसुरक्षा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने आज अपनी विधायक निधि से स्वीकृत 11 फायर फाइटर टैंकरों का वितरण कर क्षेत्र की ग्राम पंचायतों को एक बड़ी सौगात दी। लगभग 22 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत ये टैंकर अब ग्रामीण क्षेत्रों में आगजनी जैसी आपात परिस्थितियों में त्वरित राहत और बचाव का माध्यम बनेंगे।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर आगजनी की घटनाओं के दौरान संसाधनों के अभाव में किसानों और गरीब परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। अब इन फायर फाइटर टैंकरों के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर ही तत्काल आग पर नियंत्रण पाया जा सकेगा और जन-धन की हानि को रोका जा सकेगा। सिरोंज विकासखंड की ग्राम पंचायत गेहूँखेड़ी, पगरानी, गरेंठा, रतनबर्री, सांकलोन, छापू एवं विकासखण्ड लटेरी की ग्राम पंचायत आनंदपुर, मुरारिया, बलरामपुर, शहरखेड़ा एवं बीजूखेड़ी ग्राम

पंचायतों को यह टैंकर सौंपे गए। इस अवसर पर संबंधित पंचायतों के सरपंच एवं सचिवों को टैंकरों की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस दौरान मौके पर सिरोंज के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशीष अग्रवाल भी उपस्थित थे। विधायक शर्मा ने कहा कि विकास केवल सड़क, बिजली और पानी तक सीमित नहीं है, बल्कि जनजीवन की सुरक्षा और संकट के समय साथ खड़ा रहना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र की जनता के विश्वास और सहयोग से वे लगातार हर गांव तक विकास और सुरक्षा के संसाधन पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा का आभार व्यक्त किया और इसे ग्रामीण सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक आदि उपस्थित रहे।

वन महोत्सव: नर्मदा किनारे 600 पौधे रोपने का लक्ष्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया पौधरोपण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

वन महोत्सव के अवसर पर सामान्य वनमंडल नर्मदापुरम द्वारा रविवार सुबह नर्मदा किनारे चौरे घाट पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और पर्यावरण प्रेमियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने पौधारोपण करते हुए कहा कि वन महोत्सव जैसे आयोजनों की सफलता केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनकी नियमित देखरेख भी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने दायित्वों के कारण आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन स्वयंसेवी संस्थाएं, परोपकारी लोग और स्थानीय नागरिक पौधों की देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक पहुंचाते हैं। यही पौधे भविष्य में नर्मदा तट की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ घाटों के कटाव को रोकने में भी महत्वपूर्ण

भूमिका निभाएंगे। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। सामान्य वनमंडल के वनमंडलाधिकारी गौरव शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि और आमजन को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करना है। रेंजर महेंद्र गौर ने बताया कि घाट क्षेत्र में कुल 600 पौधे रोपे जाने का लक्ष्य रखा गया है। समाचार लिखे जाने तक लगभग 300 पौधों का रोपण किया जा चुका था। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, डीआईजी वीरेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा, डीएफओ गौरव शर्मा, एसडीओ वन (आईएफएस) राकेश मीणा, एसडीओ वन अनिल मिश्रा, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक संगठन व नागरिक उपस्थित रहे।

साइबर सुरक्षा अभियान 2.0: सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन पर दी जानकारी

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी रंजीत सराठे रहे मौजूद। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी देते हुए डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने का संदेश दिया। अपने संबोधन में रंजीत सराठे ने डिजिटल अरेस्ट, OTP/KYC फ्रॉड, कोड स्कैम, फिशिंग लिंक, डीपफेक, सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन निवेश ठगी एवं ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड जैसे साइबर अपराधों से बचने के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या लिंक पर विश्वास न करें तथा साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सुरक्षित डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागिता सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया तथा सभी उपस्थितजनों ने साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री रघुनाथ पाटीदार सचिव अरविंद पाटीदार प्रबंध संचालक नीलेश पाण्डेय सब इंस्पेक्टर श्रीमती पदमा वरकरे प्राचार्य स्कूल अनुराग मसीह समस्त शिक्षक, विद्यार्थी शामिल रहे।

मेट्रो एंकर

जनपद स्तरीय वीबी-जी राम-जी कार्यक्रम संपन्न

125 दिन की रोजगार गारंटी, मजदूरी बढ़कर होगी 300 रुपए प्रतिदिन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

ग्राम कंजना में जनपद स्तरीय विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम-जी) कार्यक्रम का आयोजन जनपद अध्यक्ष नीतू देवेन्द्रसिंह रघुवंशी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच राममणी राजनसिंह दांगी, जनपद पंचायत के सहायक यंत्री, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं कन्या पूजन के साथ हुआ। इसके बाद एलईडी स्क्रीन के माध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के संबोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया। दोनों नेताओं ने

वीबी-जी राम-जी योजना में किए गए नए प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी।

लाइव प्रसारण के बाद जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी ने कहा कि योजना के तहत अब ग्रामीण परिवारों को 100 के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी, जबकि दैनिक मजदूरी 261 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक सशक्तिकरण और गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। कार्यक्रम के बाद जनपद अध्यक्ष ने ग्राम कंजना के शासकीय माध्यमिक शाला एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी में बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार की जानकारी ली तथा विद्यालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, प्रवेश संख्या और मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन सौंपे, जिनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना अवधपुरी जिला भोपाल

क्र./ था.प्र./अवधपुरी/भो./डी-186/26 दिनांक 01/07/26

सूचना का प्रकाशन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10/04/26 को फरियादी रविशंकर गौड पिता भगौनी गौड उम्र 44 साल निवासी.म.न.108 रीगल टाऊन के सामने अवधपुरी भोपाल स्थाई पता- ग्राम. बगरौल थाना-रेहली जिला सागर ने थाना हाजा पर गुमईशान क्र. 15/26 कायम कराया था सूचक से पूछताछ कर कथन लेख किये गये सूचक द्वारा संदेह व्यक्त किया गया कि मेरी नाबालिक लडकी वर्षा गौंड उम्र-16 साल 03 माह निवासी म.न.108 रीगल टाऊन के सामने अवधपुरी भोपाल को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण कर लिया गया है जो जुर्म धारा 137(2) बी.एन.एस. 2023 का पाया जाने से अप. क्र. 107/26 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचनाधीन है। विवेचना के दौरान अपहृता की तलाश पतारसी के हर संभव प्रयास किये जा रहे है। परन्तु कोई पता नही चल सका है। गुमशुदा का हुलिया निम्नानुसार है:- कद 5 फुट 4 इंच, रंग सावला, चेहरा गोल, घर वाला शरारा पहने है, पैरों में सफेद जूते पहने है, नाक पर चोट का निशान है। अपहृता के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर थाना अवधपुरी भोपाल को मो.न. 9479990584, 7587601520 पर सूचित करे।

जी-15259/26

थाना प्रभारी
थाना अवधपुरी भोपाल

मगरमच्छ से खतरा: बचाव करने के लिए वन विभाग ने बनाई टीम

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा ब्लॉक से निकली ब्यारमा नदी में काफी अधिक संख्या में मगरमच्छ हैं और बारिश के दिनों में यह लोगों पर हमला करते हैं। मगरमच्छ से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए वन विभाग के द्वारा नदी किनारे स्थित ग्रामों में मुनादी शुरू कराई है और लोगों से अपील की जा रही है कि वह नदी के आसपास ना जाएं। इसके अलावा वन विभाग ने चार रेस्क्यू टीम भी बनाई है। ताकि यदि मगरमच्छ से कोई घटना होती है या मगरमच्छ दिखाई देता है तो रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंचे और मगरमच्छ का रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित दूसरे स्थान पर छोड़ा जा सके।

आपको बता दें दमोह जिले में पिछले साल मगरमच्छ के हमले से 8 वर्षीय बच्चे सहित एक महिला की मौत हुई थी। इसके अलावा 10 से अधिक लोगों पर मगरमच्छ ने हमला किया था जो गंभीर रूप से घायल हुए थे। वन विभाग ने 12 से अधिक मगरमच्छों का रेस्क्यू कर उन्हें वन विहार भोपाल भेजा था, लेकिन ब्यारमा नदी में मगरमच्छ काफी अधिक है और इनकी संख्या कितनी है इसका आकलन वन विभाग को भी नहीं है। इसलिए पहले से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए वन विभाग के द्वारा मुनादी कराई जा रही है। डीएफओ ईश्वर जरांडे ने बताया की ब्यारमा नदी के किनारे दोनों तरफ रहने वाले लोगों को सतर्क रखने के लिए मुनादी कराई जा रही है। तारादेही सर्रा तेजगढ़, झलौन और दमोह सागोनी रेंज में यह मुनादी कराई गई है। यहां पहले से सूचना बोर्ड तो लगे हैं मुनादी का काम भी गांव-गांव जाकर करवाया जा रहा है। मुनादी के माध्यम से लोगों से अपील की गई है की बारिश के मौसम में ब्यारमा नदी और उसकी सहायक नदियों के पास न जाएं। क्योंकि बारिश के दिनों में नदी का पानी मटमैला हो जाता है। ऐसे में मगरमच्छ का खतरा बना रहता है। इसलिए आप लोग नदियों से दूर रहें और अन्य लोगों को भी नदी पर जाने से रोके। डीएफओ ने बताया कि मुनादी के अलावा चार रेस्क्यू टीम भी हमने बनाई है। एक रेस्क्यू टीम नोहटा, दूसरी हथनी तीसरी झलौन और चौथी तेजगढ़ में रहेगी। एक रेस्क्यू टीम में तीन, तीन वनकर्मी शामिल किए गए हैं। यदि कहीं भी मगरमच्छ दिखता है या मगरमच्छ से कोई घटना होती है तो टीम मौके पर पहुंचकर लोगों को सुरक्षित करेगी और मगरमच्छ का भी रेस्क्यू किया जाएगा।

न्यूज विंडो

प्राचार्य पद पर राजीव किशोर श्रीवास्तव ने ग्रहण किया पदभार

नरसिंहपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैंसा से स्थानांतरित प्रभारी डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव ने स्थानांतरण उपरांत अपनी नवीन पदस्थापना संस्था शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में प्राचार्य पद का विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने से पूर्व उन्होंने विद्यालय परिसर में मां सरस्वती जी का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा शिक्षा के पवित्र दायित्व के निर्वहन का संकल्प लिया। पदभार ग्रहण उपरांत श्रीवास्तव ने विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, व्यवस्थाओं तथा वर्तमान प्रगति की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय परिवार से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि उत्कृष्ट शिक्षण कार्य, समयबद्ध पाठ्यक्रम पूर्णता, अनुशासन, नियमितता एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने आशा जताई कि विद्यालय परिवार समर्पण, जिम्मेदारी और सकारात्मक सहयोग के साथ कार्य करते हुए संस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रेरणादायी वातावरण और समय पर पाठ्यक्रम पूर्ण कराने की दिशा में सभी शिक्षक नियमित रूप से अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता, परीक्षा परिणाम, अनुशासन एवं नवाचार आधारित शिक्षण पद्धति को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

अमरकंटक नगर परिषद में कर्मचारियों की कमी से प्रभावित हो रहे विकास कार्य

अमरकंटक। धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक की नगर परिषद लंबे समय से कर्मचारियों की कमी से जूझ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले से ही सीमित कर्मचारियों के भरोसे नगर परिषद का कामकाज चल रहा था, लेकिन हाल के समय में कुछ कर्मचारियों का अन्य नगर परिषदों में स्थानांतरण कर दिया गया। उनके स्थान पर अब तक नए कर्मचारियों की पदस्थापना नहीं होने से प्रशासनिक कार्यों और नागरिक सुविधाओं पर असर पड़ने की बात सामने आ रही है। सफाई व्यवस्था, कार्यालयीन कार्य, विकास योजनाओं के संचालन और जनसमस्याओं के निराकरण में कर्मचारियों की कमी के कारण देरी हो रही है। अमरकंटक एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल होने के कारण यहां नियमित रूप से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, ऐसे में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध होना आवश्यक माना जा रहा है। नागरिकों ने जिला कलेक्टर अनूपपुर एवं संयुक्त संचालक (जेडी), नगरीय प्रशासन विभाग से मांग की है कि अमरकंटक नगर परिषद में रिक्त पदों पर शीघ्र कर्मचारियों की नियुक्ति अथवा पदस्थापना की जाए, ताकि नगर परिषद की कार्यप्रणाली सुचारु रूप से संचालित हो सके और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

तालाब में मछली पकड़ने गए वृद्ध की डूबने से मौत, पड़ताल जारी

तेंदूखेड़ा। तेजगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ढोड़ा सुनवाही के परेवा तालाब में डूबने से 58 वर्षीय एक वृद्ध की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक गिरन सिंह पिता चेते आदिवासी (58 वर्ष), निवासी ग्राम ढोड़ा, ग्राम पंचायत छिरकोना शुक्रवार शाम मछली पकड़ने के लिए परेवा तालाब गए थे। इसके बाद वे घर नहीं लौटे। ग्रामीणों ने तालाब में एक शव पानी में उतराता हुआ देखा, जिसकी सूचना तत्काल तेजगढ़ पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अरविंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की सहायता से शव को तालाब से बाहर निकालकर पंचनामा कार्रवाई की गई तथा पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा भेजा गया। थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आशंका है कि मछली पकड़ने के दौरान पैर फिसलने अथवा गहरे पानी का अनुमान न लग पाने के कारण वृद्ध तालाब में डूब गए। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही हो सकेगी। थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने क्षेत्र के ग्रामीणों से अपील की है कि वर्षा ऋतु के दौरान तालाब, नदी एवं अन्य गहरे जलाशयों के समीप जाते समय विशेष सतर्कता बरतें तथा अकेले गहरे पानी में उतरने से बचें, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोका जा सके। एएसआई सत्येंद्र सिंह राजपूत, एएसआई खिलान सिंह एवं आरक्षक हरीसिंह सहित पुलिस स्टाफ ने आवश्यक कार्रवाई संपन्न की।

वन सुरक्षा पर सवाल: दो प्रकार की बातें फिर सामने, इसलिए एसडीओ स्वयं पहुंचेंगे मौके पर

झलोन की बीट में फिर कटा सागौन, पुराने मामले में कार्रवाई लंबित होने पर उठे सवाल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

उपवन मंडल के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र झलोन के अंतर्गत बीट के कक्ष क्रमांक 149 में एक बार फिर बेशकीमती सागौन के पेड़ की कटाई का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धनेटा कुटी मंदिर के सामने लगभग 100 मीटर अंदर लगे सागौन के पेड़ को काटे जाने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए पेड़ की नंबरिंग कर दी। यह वही वनपरिक्षेत्र है, जहां दिसंबर 2025 के आखिरी सप्ताह में भी सागौन के पेड़ की अवैध कटाई का मामला सामने आया था। उस समय वन विभाग ने सात सागौन की सिल्लियां जब्त कर वन परिक्षेत्र कार्यालय परिसर में सुरक्षित रखवाई थीं। आरोप था कि नंबरिंग के बाद इनमें से दो सिल्लियां चोरी हो गई थीं।

मामले के समाचार प्रकाशित होने के बाद जब बची पांच सिल्लियों को तेंदूखेड़ा डिपो भेजा गया, लेकिन बीच में कहीं से दो सिल्लियां दूसरी मिलाकर सात सिल्लियों का चालान तैयार कर जमा कर दिया गया। इस संबंध में समाचार प्रकाशित होने के बाद डीएफओ ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में सात सिल्लियां तेंदूखेड़ा डिपो में जमा होना तो पाया गया, लेकिन दो सिल्लियों की चोरी की पुष्टि होने पर तत्कालीन डिप्टी रेंजर शंकर सिंह एवं वनरक्षक महबूब खान से वसूली किए जाने की बात वन मंडल अधिकारी द्वारा कही गई। वन परीक्षेत्र अधिकारी से लेकर इस संबंध में नोटिस भी कटे इस संबंध में वन परीक्षेत्र अधिकारी ने अपना जवाब दिया, लेकिन डिप्टी रेंजर शंकर सिंह, वनरक्षक महबूब खान के द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया हालांकि लगभग छह माह बीत जाने के बाद भी संबंधित अधिकारियों पर किसी प्रकार की ठोस विभागीय कार्रवाई नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। अब एक बार फिर उसी बीट में भारी-भरकम सागौन का पेड़ कटने की घटना ने वन सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। स्थानीय ग्रामीण देवकीनंदन पटेल ने बताया कि वह प्रतिदिन जंगल में भैंसे चराने जाता है। उनके अनुसार शुक्रवार सुबह तक सागौन का पेड़ सुरक्षित था, लेकिन बीते दिन सुबह जब वह दोबारा वहां पहुंचे तो पेड़ आरा मशीन से काटा हुआ मिला।उल्लेखनीय है कि झलौन रेंज के खुले वन क्षेत्रों में लगातार बेसकीमती सागौन की अवैध कटाई की घटनाएं सामने आ रही हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से वन संरक्षण व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी निगरानी और सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र की बहुमूल्य वन संपदा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

मामले में सामने आए दो अलग-अलग तथ्य

इस संबंध में झलौन वन परिक्षेत्र अधिकारी सतीश मसीह का कहना है कि संबंधित पेड़ पहले से आधा कटा हुआ था तथा गत दिनों को चली तेज हवा के कारण वह गिर गया। इस संबंध में तेंदूखेड़ा उपवनमंडल अधिकारी प्रतीक दुबे ने बताया कि सागौन के पेड़ की लकड़ी को विभाग द्वारा जब्त कर लिया गया है उन्होंने कहा कि मामले में उनके सामने दो अलग-अलग तथ्य आए हैं। एक ओर उन्हें सूचना मिली है कि पेड़ को काटा गया है, जबकि विभाग के अधीनस्थ अधिकारियों का कहना है कि पेड़ तेज हवा के कारण गिरा है। उन्होंने बताया कि मामले की वास्तविक स्थिति जानने के लिए वह स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण करने जा रही हैं। यदि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी सामने आती है, तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तानी नंबर से किया जा रहा था ब्लैकमेल

बीटेक छात्र ने लॉज में लगाई फांसी घर में थी भाई की शादी, छाया मातम

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर के डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के बी-टेक थर्ड ईयर के एक छात्र ने साइबर सेक्सटॉर्शन (ब्लैकमेलिंग) से तंग आकर बीना के एक लॉज में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक छात्र की पहचान अमन प्रजापति (22) के रूप में हुई है, जो अशोकनगर जिले की मुंगावली तहसील का रहने वाला था। छात्र की मौत के बाद जब पुलिस ने उसके व्हाट्सएप चैट खंगाले, तो एक खौफनाक साइबर ट्रैप का खुलासा हुआ।

परिजनों के मुताबिक, अमन को पिछले सात महीने (दिसंबर 2025) से एक पाकिस्तानी फोन नंबर और कुछ अन्य संदिग्ध नंबरों से लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। साइबर ठग ने अमन के पिता और दोस्तों के मोबाइल नंबर उसे भेजकर धमकी दी थी कि यदि उसने पैसे नहीं दिए, तो उसके न्यूड (अश्लील) फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए जाएंगे। बदनामी के डर से अमन ने पिछले कुछ महीनों में अलग-अलग समय पर करीब 40 हजार रुपये से अधिक की राशि ठगों को ऑनलाइन ट्रांसफर की थी। अमन चार भाइयों में सबसे छोटा और सबका लाड़ला था। उसके

बड़े भाई प्रियातेश की आगामी 7 जुलाई को शादी होने वाली है। प्रियातेश विदिशा में नौकरी करता है और शादी की तैयारियों के लिए सागर आया था। दोनों भाइयों ने 2 जुलाई को एक साथ घर जाने का प्लान बनाया था और अपना सामान भी पैक कर लिया था। लेकिन पिछले सात महीने से घुट-घुट कर जी रहे अमन का सब्र टूट चुका था। उसे डर था कि शादी के माहौल में रिश्तेदारों और परिवार के बीच उसके फोटो-वीडियो वायरल न हो जाएं। इसी मानसिक तनाव के चलते उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। दो जुलाई की सुबह अमन सागर के तिली क्षेत्र स्थित पोस्ट मैट्रिक छात्रावास जाने का बोलकर कमरे से निकला। सुबह करीब 9:45 बजे उसका मोबाइल अचानक बंद हो गया। भाई जब हॉस्टल पहुंचा तो वहां अमन का पुराना मोबाइल और टूटी हुई सिम मिली। सीसीटीवी फुटेज में वह बस स्टैंड के पास ऑटो से उतरता दिखा।

सरकार पर कांग्रेस अध्यक्ष के आरोप

चंदा चोरी और चढ़ावा में लूट से भाजपा का चेहरा बेनकाब

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी धर्म का उपयोग कर सत्ता हासिल करती रही है अब श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी और चढ़ावा में लूटने से भाजपा का असली चेहरा सामने आ गया है। क्योंकि मुख्य दोषियों को बचाने के प्रयास हो रहे हैं। राम मंदिर, अयोध्या में चोरी का प्रकरण आस्था के सबसे बड़े केंद्रों में से एक राम मंदिर परिसर में चोरी की घटना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

उक्त आरोप जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने जिला कांग्रेस कार्यालय मुश्रान भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में लगाए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल ने देश एवं प्रदेश से जुड़े गंभीर विषयों पर केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। श्रीमती पटेल ने कहा कि नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में बार-बार सामने आ रही अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों छात्रों एवं उनके अभिभावकों का विश्वास कमजोर किया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े कथित जमीन घोटाले के आरोपों पर सरकार से पारदर्शी और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। कृषि प्रधान

जिला नरसिंहपुर में आज किसान की मुख्य समस्या मूंग खरीदी समर्थन मूल्य पर सरकार द्वारा नहीं करना है, हम मांग करते हैं कि किसान द्वारा उत्पादित मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी समर्थन मूल्य पर शीघ्रता से सरकार को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले में कुछ किसान संगठन मूंग खरीदी को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, इसे कांग्रेस पार्टी का पूरा समर्थन है एवं सभी कांग्रेस कार्यकर्ता इस आंदोलन का बड़ा चढ़कर समर्थन कर रहे हैं, इसके अतिरिक्त प्रदेश में किसानों श्रीमती पटेल ने अवैध उत्खनन पर कहा कि हम लगातार इस मुद्दे को उठा रहे हैं । उक्त मौके पर जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष रूद्रेश तिवारी, प्रवक्ता अजय दुबे, आशीष गुप्ता , ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शहर मनीष साहू , ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण धनीराम पटेल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल आदि मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर रतलाम से भिंड जाने वाली ट्रेन संख्या 21115 रतलाम-भिंड इंटरसिटी एक्सप्रेस का मामला

ट्रेन में किसने नवजात बालिका को लावारिस छोड़ा? रोने की आवाज सुनकर यात्रियों ने GRP व RPF को दी सूचना

रतलाम। दोपहर मेट्रो

रतलाम से भिंड जाने वाली ट्रेन संख्या 21115 रतलाम-भिंड इंटरसिटी एक्सप्रेस के सामान्य कोच में नवजात बालिका के लावारिस मिलने से हड़कंप मच गया। बालिका के रोने की आवाज सुनकर यात्रियों ने पुलिस को सूचना दी। यात्रियों की सूचना पर रेलवे राजकीय पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारी व जवान मौके पर पहुंचे। इसके बाद बालिका को बरामद कर उसका मेडिकल कराया और फिर उसे मदर एंड केयर हास्पिटल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया। बालिका स्वस्थ है। नर्से व डाक्टर उसकी देखरेख कर रहे हैं।

रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अनुसार बीते दिन शाम 5.25 मिनट पर रतलाम से इंदौर होकर भिंड जाने वाली रतलाम-भिंड इंटरसिटी एक्सप्रेस शाम करीब चार बजे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक

पर अकर खड़ी हुई थी। ट्रेन के अधिकांश कोच के गेट बंद थे। शाम करीब 4.45 बजे कोच एस-2 से बच्चे के रोने की आवाज आई। कोच के गेट लगे हुए थे, यात्रियों ने ट्रेन के अंदर बच्चे के रोने की आवाज आने पर रेलवे पुलिस को सूचना दी। पुलिस अधिकारी व जवान दूसरे कोच से होकर कोच एस-2 में पहुंचे तो सीट नंबर 48 पर लाल कपड़े में लिपटी बालिका रो रही थी। रेलवे पुलिस ने बालिका को बरामद किया और उसे छोड़ने वाले की तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस ने महिला आरक्षक के साथ बालिका को जिला अस्पताल भिजवाया और वहां उसके मेडिकल कराया। इसके बाद बालिका को मदर एंड केयर हास्पिटल (एमसीएच) के गहन शिशु चिकित्सा इकाई (एसएनसीयू) में लेकर भर्ती कराया गया। जीआरपी के एएसआई नौशाद खान ने बताया कि ट्रेन में बालिका लावारिस मिली है, उसे कौन छोड़कर गया है, यह पता नहीं चल पाया है। बीएनएस की धारा 93 में प्रकरण दर्ज कर बालिका को छोड़ने वाले की तलाश की जा रही है। बालिका स्वस्थ बताई गई है। अस्पताल में उसकी देखरेख की जा रही है।

सीसीटीवी किए जा रहे चेक

रतलाम-भिंड इंटरसिटी एक्सप्रेस भिंड से शाम 5.20 बजे चलकर इंदौर होते हुए दूसरे दिन सुबह 10 बजे रतलाम पहुंचती है। इसके बाद ट्रेन को यार्ड में खड़ा किया जाता है। वापस भिंड जाने के लिए ट्रेन को शाम करीब चार बजे प्लेटफार्म पर लाया जाता है। पुलिस के अनुसार आशंका है कि ट्रेन के प्लेटफार्म पर आने के तत्काल बाद ही कोच एस-2 में पहुंचकर कोई व्यक्ति उसे लावारिस छोड़कर चला गया। जब कुछ यात्री ट्रेन में सवार होने के लिए प्लेटफार्म पर पहुंचे तो बच्ची के रोने की आवाज आने पर पता चला कि कोच में बच्ची है। रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे है ताकि पता चला सके कि उसे कौन छोड़कर गया? ये एक बड़ा सवाल है।

हार की वजह टीम संयोजन

मैदानों की साइज़ और पिच में उलझे चैंपियंस

आखिरकार 15 साल 99 दिन के युवा विस्फोट वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू हो ही गया। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में इस युवा खिलाड़ी का बहुप्रतीक्षित डेब्यू हुआ ।अब वह भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे युवा और वर्ल्ड के दूसरे सबसे कम उम्र में यह मुकाम हासिल करने वाले खिलाड़ी बन गये हैं ।मतलब साफ है कि भारतीय क्रिकेट और उसके इतिहास के नजरिये से कल का यह मुकाबला बेहद खास कहा जा सकता है ।लेकिन अगर बात सिर्फ भिड़ंत की करें तो फिर लगातार पिछले दो टी20 वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया की हार का सिलसिला मैनचेस्टर के मैदान पर भी नहीं रुक नहीं सका है ।आयरलैंड में सूपड़ा साफ होने के बाद इंग्लैंड ने वर्ल्ड चैंपियन टीम को दूसरे टी20 मैच में चार विकेट से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है ।इंग्लैंड टीम की बेहद सधी हुई इस जीत को देखकर तो ऐसा लगा कि मानो सीरीज की पहली भिड़ंत में भी टीम इंडिया को बारिश ने ही शिकस्त से बचा लिया था ।मात्र 1 रन पर दो विकेट गिरने के बावजूद 191 रनों का लक्ष्य जिस अंदाज में अंग्रेज टीम ने हासिल किया उसके बाद तो कुछ ऐसा ही कहा जा सकता है ।अब सवाल यह उठता है कि आखिर वह कौनसी वजह है जो पिछले 2 टी20 वर्ल्ड कप में सिर्फ 1 मुकाबला हारने वाली इस चैंपियन टीम के लिए घातक साबित हो रही है ।भले ही कल के मुकाबले में विलेन का किरदार रवि विश्नोई को बताया जा रहा हो,लेकिन इस बात की क्या गारंटी कि अगर वह ओवर 29 रनों का न होता तो किसी अन्य गेंदबाज का यह हश्र नहीं हो सकता था ।पहले ही ओवर में इंग्लैंड के 2 विकेट लेने वाले अर्शदीप के दूसरे ओवर में भी तो 27 रनों का उलटफेर इंग्लैंड के बल्लेबाज ने इसी मैच में किया है ।क्रिकेट के तमाम पंडित और जानकारों के लिहाज से भले ही यह 2 ओवर मैच की शिकस्त का कारण रहे हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि दोनों ही ओवर ने मैच का रुख बदला है,लेकिन मेरा नजरिया एक मैच की हार तक सीमित रहने से हटकर चैंपियन टीम की लगातार हो रही हार के मूल जड़ पर टिका है ।शायद इसी कारण मेरी सोच में टीम इंडिया की हार वजह किसी एक खिलाड़ी के व्यक्तिगत प्रदर्शन तक सीमित न होकर उन बातों का जिक्र करना है जिसके लिए मैनेजमेंट से लेकर क्रिकेट बोर्ड भी कटघरे में आता है ।दरअसल टीम इंडिया की एक के बाद एक हार की असली वजह टीम मैनजेमेंट का वह फार्मूला है जिसका प्रयोग वह टीम संयोजन में कर रहा है ।यह बात वाकई समझ से परे है कि लगातार हार के बाद भी टीम संयोजन में एक ही तरह का फॉर्मूला क्यों आजमाया जा रहा है ।भले ही आलराउंडर की हैसियत से कई खिलाड़ियों को टीम में शामिल कर लिया जाता है,लेकिन मैदान में उनका प्रयोग ओर किरदार कप्तान तय नहीं कर पाता है ।शिवम दुबे का कल के मुकाबले में बतौर गेंदबाज एक भी ओवर न देना तो यही जताता है ।इतना ही नही टीम के संयोजन में मैनजेमेंट को इस बात का एहसास ही नहीं है कि विस्फोटक युवाओं की टोली वाली टीम इंडिया कौन से मैदानों किस तरह की पिच पर खेल रही है ।गौरतलब है कि आईपीएल ओर भारतीय सरजमीं पर होने वाले मुकाबलों में पिच का सपाट किरदार व मैदान का वह साइज़ नहीं होता है जो आयरलैंड और इंग्लैंड के मैदानों में मिल रहा है ।फिर भी ऐसा नहीं कि टीम इंडिया के युवा खिलाड़ियों की काबलियत में कोई कमी हो,लेकिन अगर टीम को जीत की लय हासिल करनी है तो फिर इन विस्फोटक बल्लेबाजों को हवाई बल्लेबाजी के साथ मैदानी बल्लेबाजी पर भी गौर करना पड़ेगा ।वैसे भी जब मैदानों का डाइमेंशन आईपीएल से अलग हो तो फिर बल्लेबाजी के फार्मूले में फेरबदल करना ही लाभदायक होगा ।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि युवा विस्फोटक वैभव के संयोजन के बाद भी मिली हार के बाद टीम मैनेजमेंट कौनसे टीम संयोजन की बदौलत बेपटरी हो चुकी टीम इंडिया जीत की राह पर ले कर आते हैं ।वैसे भी जब किसी टीम में युवा प्रतिभाओं की भरमार हो तो ऐसी टीम को जीत के तरीके का एहसास कराने की जिम्मेदारी टीम मैनजेमेंट की ही कही जा सकती है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

इंटरनेशनल मुकाबला खेलने उतरे सूर्यवंशी को तिलक वर्मा ने सौंपी डेब्यू कैप

टीम इंडिया की कैप पहनते ही छलक पड़े वैभव के आंसू

मैनचेस्टर , एजेंसी

वह पल आखिरकार आ ही गया, जिसका करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैन्स को इंतजार था। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (4 जुलाई) को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर भारत के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया। डेब्यू से पहले जब उन्हें टीम इंडिया की कैप सौंपी गई, तो वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। उनकी आंखें नम हो गईं और वह आंसू पोंछते नजर आए। यह भावुक पल कैमरे में कैद हो गया और देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया। वैभव ने इस मुकाबले में 10 बॉल पर 14 रन बनाए, जिसमें 2 छक्के शामिल रहे। वैभव को स्पिनर विल जैक्स ने पवेलियन भेजा। आउट होकर पवेलियन लौटते वक्त भी वैभव भावुक हो गए। भारत के लिए अपना पहला इंटरनेशनल मुकाबला खेलने उतरे वैभव सूर्यवंशी को टी20 टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा ने डेब्यू कैप सौंपी। वैभव भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले 122वें खिलाड़ी बने। कैप मिलते ही वैभव कुछ पल के लिए भावुक हो गए। वर्षों की मेहनत, संघर्ष और सपनों का यह पल उनके लिए बेहद खास था। मैदान पर मौजूद साथी खिलाड़ियों ने तालियों के साथ उनका हौसला बढ़ाया।

उन्होंने 15 साल और 99 दिन की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया और भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इस मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। सचिन ने 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची टेस्ट में 16 साल और 205 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

इतना ही नहीं भारत की ओर से वैभव सूर्यवंशी ने सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू (पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों) करने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड शेफाली वर्मा के नाम था, जिन्होंने 15 साल और 239 दिन की उम्र में भारतीय महिला टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था।

चर्चित नाम बनकर उभरे वैभव

पिछले कुछ महीनों में वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट का सबसे चर्चित नाम बनकर उभरे हैं। आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 में राजस्थान रॉयल्स (के लिए उन्होंने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए। आईपीएल के बाद वैभव को इंडिया-ए टीम में जगह मिली। श्रीलंका में आयोजित त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक जड़ा, जो लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक था। इस पारी ने साफ कर दिया था कि वह सिर्फ टी20 ही नहीं, हर प्रारूप में बड़ा खिलाड़ी बनने की क्षमता रखते हैं। डेब्यू कैप मिलने के बाद आंखों से छलकते आंसू सिर्फ भावुक पल नहीं थे, बल्कि उस लंबे संघर्ष, मेहनत और सपने की कहानी थे, जिसे वैभव सूर्यवंशी ने बचपन से जिया है। महज 15 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेट के कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले इस युवा बल्लेबाज से अब पूरे देश को बड़ी उम्मीदें हैं।

फीफा विश्व कप 2026 : सह-मेजबान कनाडा का सफर समाप्त

दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को, औनाही ने दागे दो गोल

ह्यूस्टन, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में मोरक्को ने सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्टार मिडफील्डर अज़्ज़ेदीन औनाही ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जबकि इंजरी टाइम में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। अब मोरक्को का सामना 9 जुलाई को बोस्टन में होने वाले क्वार्टर फाइनल में फ्रांस और पराग्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

पहले हाफ में कनाडा का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मुकाबले की शुरुआत में कनाडा ने शानदार खेल दिखाया और लगातार आक्रमण करते हुए मोरक्को की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। मैच का पहला बड़ा मौका कनाडा को मिला, जब अली अहमद के पास पर तानी ओलुवासेयी गोलकीपर के सामने पहुंच गए। हालांकि, मोरक्को के कनाडा में जन्मे गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाव कर अपनी टीम को शुरुआती झटका लगने से बचा लिया। पहले हाफ में मोरक्को को उस समय बड़ा झटका लगा, जब टूर्नामेंट के उनके शीर्ष स्कोरर इस्माइल साइबारी मांसपेशियों में चोट के कारण 22वें मिनट में मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। उनकी जगह सुफियान रहीमी को उतारा गया।

दूसरे हाफ में औनाही का जलवा

ब्रेक के बाद मोरक्को ने पूरी तरह मैच का रुख बदल दिया। 50वें मिनट में अशरफ हाकिमी के शानदार सेट-पीस पास पर अज़्ज़ेदीन औनाही ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन पहली टाइमिंग वाला शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद मोरक्को का आत्मविश्वास बढ़ गया, जबकि कनाडा की टीम दबाव में आ गई। 82वें मिनट में तेज जवाबी हमले के दौरान ब्राहिम डियाज के पास पर औनाही ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। इंजरी टाइम (90+8वें मिनट) में ब्राहिम डियाज के शानदार थ्रू पास पर सुफियान रहीमी ने गोल दागकर मोरक्को की 3-0 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी। रहीमी इससे पहले एक हेडर में क्रॉसबार से भी टकराए थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज करा ही लिया।

मोरक्को ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ मोरक्को लगातार दूसरी बार फीफा थविश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। इसके साथ ही वह विश्व कप इतिहास में एक से अधिक बार अंतिम-8 में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। कतर 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचने वाली एटलस लायंस की टीम ने एक बार फिर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। वहीं, कनाडा का शानदार विश्व कप अभियान राउंड ऑफ-16 में समाप्त हो गया। हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम ने पहली बार विश्व कप में मैच जीतने के साथ नॉकआउट चरण तक पहुंचकर अपने देश के फुटबॉल इतिहास में नया अध्याय जरूर जोड़ा।

15 साल का सुनहरा सफर हुआ खत्म! विदाई संदेश में भावुक हुए बेन स्टोक

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर और टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने 15 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया है। संन्यास के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा करते हुए प्रशंसकों, साथियों और परिवार का आभार जताया। स्टोक्स ने साफ कहा कि यह फैसला पूरी तरह उनका अपना है और अब वह मैदान के भीतर नहीं, बल्कि एक प्रशंसक के रूप में इंग्लैंड टीम का समर्थन करेंगे। परिवार के साथ समय बिताने के बाद स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पिछले 15 वर्ष उनके जीवन का सबसे यादगार सफर रहे। उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्हें कई शानदार उपलब्धियां मिलीं, वहीं कठिन दौर का भी सामना करना पड़ा। उनके अनुसार, उन्हें महसूस हो गया था कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेने का सही समय आ गया है और यह निर्णय केवल वही ले सकते थे। उन्होंने अपने संदेश में इंग्लैंड के सभी प्रशंसकों का धन्यवाद देते हुए कहा कि पूरे करियर में मिले प्यार और समर्थन को वह कभी नहीं भूलेंगे। साथ ही उन सभी खिलाड़ियों के प्रति भी सम्मान व्यक्त किया, जिनके साथ उन्हें देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। स्टोक्स ने कहा कि अब वह एक समर्थक के रूप में टीम की सफलताओं का आनंद लेंगे।

स्टोक्स का अंतिम अंतरराष्ट्रीय सत्र कई घटनाओं से भरा रहा। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने यादगार जीत दर्ज की, लेकिन बाद में अनुशासन से जुड़े एक विवाद के कारण वह चर्चा में भी रहे। इसके बावजूद उन्होंने वापसी करते हुए अपना अंतिम टेस्ट खेला और करियर का शानदार समापन किया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

भेड़ों के झुंड के बीच पहुंचीं निकिता दत्ता

स्कॉटलैंड की वादियों से साझा कीं दिलकश यादें, रोमांचक सफर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल

मुंबई। अभिनेत्री निकिता दत्ता इन दिनों स्कॉटलैंड की मनमोहक वादियों में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। उन्होंने अपनी इस यात्रा की खूबसूरत झलकियां सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिन्हें प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। हरियाली से ढके पहाड़, खुले मैदान और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच खिंचवाई गई उनकी तस्वीरों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, स्कॉटलैंड से पोस्टकाड्र्स, जो उनकी यादगार यात्रा की कहानी बयां करता है।

निकिता ने हाल ही में एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वह स्कॉटलैंड के शांत ग्रामीण इलाके में घूमती नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि अनछुई और कम चर्चित जगहों की तलाश में वह सामान्य रास्ते से आगे निकल गईं और भेड़ों के बड़े झुंड के बीच पहुंच गईं। वीडियो में वह हरे-भरे पहाड़ों और प्राकृतिक रास्तों पर पैदल यात्रा करती दिखाई देती हैं, जबकि आसपास फैला शांत वातावरण इस सफर को और भी खास बनाता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए निकिता ने लिखा कि वह बनेट स्टेन नाम की चट्टान तक पहुंचीं, जो भले ही तस्वीरें लेने की एक जगह थी, लेकिन वहां तक पहुंचने की छोटी-सी चढ़ाई उनके लिए सबसे रोमांचक हिस्सा रही। उन्होंने बताया कि रास्ते में फैली हरियाली, खुला आसमान और पहाड़ियों पर चरती भेड़ों ने इस यात्रा को यादगार बना दिया।

यात्रा के साथ फिटनेस पर भी पूरा ध्यान

घूमने-फिरने की शौकीन निकिता अपनी फिटनेस को लेकर भी काफी सजग रहती हैं। वह समय-समय पर योग, व्यायाम और बाहरी गतिविधियों की झलकियां भी साझा करती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने योग अभ्यास की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए थे, जिन्हें प्रशंसकों ने खूब सराहा। अगर उनके अभिनय करियर की बात करें तो निकिता दत्ता ने छोटे पर्दे से अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने फिल्मों में भी मजबूत जगह बनाई और कई चर्चित फिल्मों में अभिनय किया।

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा लॉक अप शो से बाहर, कंगना रनौत की एंट्री से बदला माहौल

विवादों और ड्रामे से भरपूर रियलिटी शो लॉक अप 2: सच या सजा में पहला हफ्ता खत्म होते ही पहला एलिमिनेशन भी हो गया है। शो के इस शुरुआती झटके का शिकार कोई और नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर बनी हैं। श्रेष्ठा को पहले ही हफ्ते में कम वोटों और कमजोर गेम के चलते शो से बाहर का रास्ता देखना पड़ा है। उनके एलिमिनेशन के दौरान जेल में काफी इमोशनल (भावुक) माहौल देखने को मिला, जहां शो की जेलर फराह खान ने श्रेष्ठा को उनके भाई के नाम से जोड़कर एक खास सलाह दी। इस पर श्रेष्ठा का रिएक्शन भी काफी चर्चा में आ गया है।

जब श्रेष्ठा अय्यर के एविक्शन (बाहर होने) का समय आया, तो जेलर फराह खान ने उन्हें हिम्मत देते हुए एक बेहद गहरी बात कही। फराह ने कहा, भले ही शो में आपका सफर खत्म हो गया है, लेकिन हमें उम्मीद है कि अपने भाई की परछाई से बाहर निकलने का आपका सफर अभी शुरू हुआ है। फराह की इस बात पर श्रेष्ठा ने तुरंत गर्व से जवाब दिया और कहा, वह परछाई भी बनी रहेगी। हमेशा। क्योंकि मुझे उस पर गर्व है।

श्रेष्ठा के इस जवाब को थोड़ा सही करते हुए फराह खान ने प्यार से समझाया, इसे परछाई की तरह नहीं, बल्कि एक अच्छी छांव की तरह होना चाहिए। इस पर श्रेष्ठा ने अपनी बात खत्म करते हुए इमोशनल होकर कहा कि वह छांव हमेशा रहेगी और वे आगे भी अपनी कड़ी मेहनत जारी रखेंगी।% एक तरफ जहां श्रेष्ठा शो से बाहर हो गईं, वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया स्टार रियाज अली ने पहले हफ्ते में अपना दबदबा साबित किया है। रियाज ने टास्क के दौरान क्रैकडाउन चैलेंज जीता और खुद को एलिमिनेशन के खतरे से पूरी तरह सुरक्षित कर लिया।

मेट्रो बाजार

गोयल का बड़ा लक्ष्य, खिलौना उद्योग से 10 गुना निर्यात बढ़ाने का आह्वान

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को भारतीय खिलौना उद्योग से अगले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य तय करने का आह्वान किया है। उन्होंने उद्योग को भरोसा दिलाया कि सरकार खिलौनों पर लागू अनिवार्य क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) को वापस नहीं लेगी और घरेलू उद्योग को सस्ते विदेशी आयात (डंपिंग) से भी पूरी सुरक्षा प्रदान करेगी। 17वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2026 को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया का खिलौना बाजार करीब 120 अरब डॉलर का है, लेकिन इसमें भारत की हिस्सेदारी केवल 0.2 से 0.3 प्रतिशत के बीच है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह बड़ा अवसर है और देश को वैश्विक बाजार में कहीं अधिक हिस्सेदारी हासिल करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि पिछले चार वर्षों में भारत के खिलौना निर्यात में 239 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन उद्योग को इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि अगले चार वर्षों में मौजूदा स्तर से 10 गुना निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलौना निर्माता अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित न रहें, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाएं। पीयूष गोयल ने उद्योग जगत से भारत द्वारा हाल के वर्षों में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत 9 मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है, जिससे भारतीय कंपनियों के लिए विकसित देशों के बाजारों तक पहुंच आसान हुई है।

प्याज खरीद मूल्य में 13% की बढ़ोतरी, किसानों से अब 2,125 रुपए प्रति क्विंटल पर होगी खरीद

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्याज किसानों को राहत देते हुए सरकारी खरीद मूल्य में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। अब सरकार प्याज की खरीद 2,125 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करेगी, जबकि पहले यह कीमत 1,875 रुपए प्रति क्विंटल थी। नई दर शनिवार से लागू हो गई है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से प्याज किसानों को बेहतर दाम मिलेंगे और मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए खरीद को भी मजबूती मिलेगी। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि सरकार के मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए एनएएफईडी और एनसीसीएफ के माध्यम से प्याज की खरीद जारी है। संशोधित खरीद मूल्य किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ बफर स्टॉक तैयार करने में भी मदद करेगा।

सरकार के अनुसार, 2025-26 के लिए प्याज का उत्पादन 307.37 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 2024-25 के 307.67 लाख मीट्रिक टन के लगभग बराबर है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के दूसरे अग्रिम अनुमान के आधार पर सरकार का मानना है कि देश में प्याज की उपलब्धता को लेकर फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है। हालांकि, सामान्य मौसमी रुझान के अनुसार कीमतों में कुछ बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

मंत्रालय ने कहा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में प्याज का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और फिलहाल संग्रहीत प्याज की कोई कमी नहीं है। देश भर की मंडियों में प्रतिदिन 50 हजार मीट्रिक टन से अधिक प्याज की आवक हो रही है, जबकि केवल महाराष्ट्र में यह आंकड़ा 30 हजार मीट्रिक टन से अधिक है, जिसमें औसत मॉडल भाव लगभग 18 रुपए प्रति किलोग्राम बना हुआ है।

अमेरिका में आजादी के 250 साल का जश्न मना

वॉशिंगटन। अमेरिका में आज आजादी के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। फिलाडेल्फिया, न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन डीसी समेत 50 राज्यों में परेड, ऐतिहासिक कार्यक्रम और म्यूजिक कॉन्सर्ट का आयोजन हो चुका है। व्हाइट हाउस के मुताबिक थोड़ी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्र को संबोधित किया। इसके बाद राजधानी वॉशिंगटन डीसी में इतिहास की सबसे बड़ी आतिशबाजी की गई। मुख्य कार्यक्रम वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हुआ, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्र को संबोधित किया। बारिश और आंधी-तूफान के कारण कार्यक्रम में देरी हुई, लेकिन मौसम साफ होने के बाद समारोह फिर शुरू हुआ।

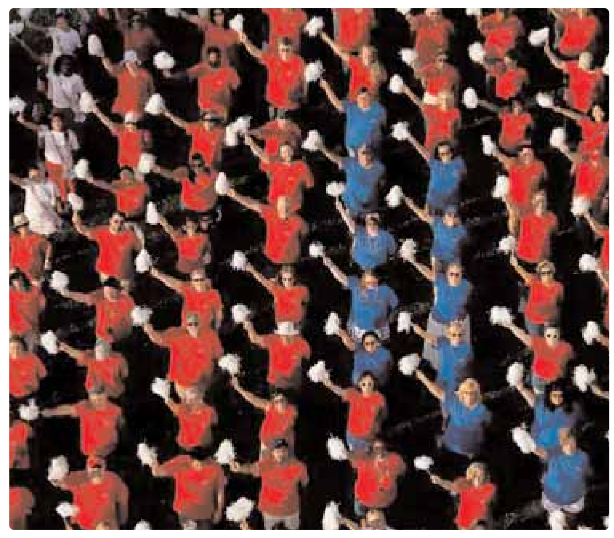

जर्मनी में ट्रेकिंग पर गए भारतीय छात्र की डूबने से मौत

मंगलुरु. एजेंसी। जर्मनी के लीपजिंग में बीबीए की पढ़ाई कर रहे एक भारतीय छात्र की डूबने की एक संदिग्ध घटना में मौत हो गई। ये छात्री मंगलुरु के मराकडा-कुंजथबैल का रहने वाला था। मृतक की पहचान 21 साल के मोहम्मद अनीज अबूबकर के तौर पर हुई है। पूछताछ के लिए चार छात्रों को पुलिस हिरासत में लिया गया है, जिनमें दो भारतीय शामिल हैं। अनीज हाले के रहन एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में बीबीए का तीसरे सेमेस्टर का छात्र था। मंगलुरु में अपनी प्री-यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह लगभग 18 महीने पहले जर्मनी चला गया था। उसके पिता मरकडा अबूबकर सिद्दीक सऊदी अरब में काम करते हैं। अनीज गुरुवार सुबह अपने क्लासमेट्स और दोस्तों के साथ ट्रेकिंग पर गया था। यह जानकारी पीए हमीद पडुबिद्री ने दी, जो एक प्रो-बोनो वकील हैं और अनीज के पार्थिव शरीर को मंगलुरु वापस लाने के लिए बर्लिन में भारतीय दूतावास के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

शहबाज-मुनीर के खिलाफ फिर से बिग प्रोटेस्ट, 600 से अधिक गिरफ्तार

पीओके में सुलगा जनाक्रोश, पाकिस्तान से गुस्साए नेताओं ने भारत से मांगा समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सरकार विरोधी आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने 5 जुलाई के विरोध प्रदर्शन में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की है। संगठन के नेता सरदार अमन खान ने वीडियो संदेश जारी कर भारत, विशेष रूप से श्रीनगर, राजौरी, पुंछ, लद्दाख और करगिल के लोगों से आंदोलन के समर्थन की मांग की। उनका आरोप है कि पाकिस्तान प्रशासन आंदोलन को दबाने के लिए खाद्य सामग्री, दवाइयों और इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगा रहा है तथा बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां कर रहा है। कार्यकर्ताओं के अनुसार 600 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। इस बीच मानवाधिकार संगठनों ने भी राजनीतिक असहमति पर कार्रवाई और कथित दमन की आलोचना की है। आंदोलनकारी 27 जुलाई को प्रस्तावित क्षेत्रीय चुनावों के बहिष्कार का आह्वान भी कर रहे हैं। पाकिस्तान प्रशासन ने इन आरोपों पर सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाया है, जबकि क्षेत्र की स्थिति को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी नजर बनी हुई है।

आज भी प्रदर्शन जारी

जेएएसी के नेता सरदार अमन खान ने वीडियो संदेश में श्रीनगर, राजौरी, पुंछ, जम्मू, लद्दाख, करगिल और गिलगित-बाल्टिस्तान के लोगों से आंदोलन के समर्थन की अपील की। उनका दावा है कि लोगों को अपने बुनियादी अधिकारों की मांग पर दमन का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य सामग्री, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित की जा रही है और लगातार दबाव बनाया जा रहा है। संगठन ने 5 जुलाई को बड़े विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है और इसे अधिकारों की लड़ाई बताया है।

शौकत की गिरफ्तारी के बाद चुनाव बहिष्कार का ऐलान

पीओके के कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा का दावा है कि जेएएसी प्रमुख शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी के बाद हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और 600 से अधिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा चुका है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि विरोध प्रदर्शनों की निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी के विरोध में 27 जुलाई को प्रस्तावित क्षेत्रीय चुनावों के बहिष्कार का आह्वान किया गया है। विवाद की जड़ विधानसभा में जम्मू-कश्मीर शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को बताया जा रहा है। स्थानीय समूहों का आरोप है कि इन सीटों के जरिए इस्लामाबाद चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करता है, जबकि पाकिस्तान प्रशासन इन आरोपों से सहमत नहीं है।

पाकिस्तान में मंत्री के पोते पर गंभीर आरोप

क्रिप्टो के लाखों डॉलर के लिए महिलाओं का अपहरण, गैंगरेप

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में दो विदेशी महिलाओं के कथित अपहरण और यौन उत्पीड़न के मामले में जांच के दौरान क्रिप्टो करेंसी विवाद का पहलू सामने आया है। पुलिस सूत्रों के हवाले से आई रिपोर्टों के अनुसार, मामले में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार के पोते रजा डार का नाम सामने आया है। पीड़ित महिलाओं ने अदालत के समक्ष दिए बयान में आरोप लगाया कि उन्हें बंधक बनाकर बंदूक की नोक पर क्रिप्टो करेंसी के पासवर्ड और धन की मांग की गई। महिलाओं का यह भी आरोप है कि कैद के दौरान उनके साथ यौन उत्पीड़न हुआ और बाद में कथित रूप से धन मिलने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इस मामले में रजा डार सहित चार आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस हथियार और कथित क्रिप्टो लेनदेन से जुड़े साक्ष्य जुटाने में लगी है। मामले की अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी। आरोपों की न्यायिक जांच जारी है और अंतिम निष्कर्ष अदालत की प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होंगे।

यह है पूरा मामला

जांच एजेंसियों के अनुसार, दोनों विदेशी महिलाओं की मुलाकात अक्टूबर 2025 में सिंगापुर में एक क्रिप्टो करेंसी प्रोजेक्ट के दौरान रजा डार से हुई थी। बाद में उन्हें कथित तौर पर बिजनेस वीजा पर पाकिस्तान आने का निमंत्रण दिया गया। महिलाओं का आरोप है कि 29 जून को लाहौर पहुंचने के तुरंत बाद उनका अपहरण कर एक घर में बंधक बनाया गया। वहां उनसे क्रिप्टो करेंसी के पासवर्ड और धन की मांग की गई तथा यौन उत्पीड़न किया गया। पुलिस ने इस मामले में रजा डार, हसन रजा, सिकंदर खान और साजिद अली को हिरासत में लिया है। जांचकर्ताओं के अनुसार, अभी कथित वारदात में इस्तेमाल हथियार और वित्तीय लेनदेन से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पीड़ित महिलाएं बयान दर्ज कराने के बाद पाकिस्तान छोड़ चुकी हैं।

केतन अग्रवाल के दादा का निधन, परिवार बोला- पोते का जाना बर्दाश्त नहीं कर सके

पुणे, एजेंसी

केतन अग्रवाल की मौत से पहले ही सदमे में डूबे अग्रवाल परिवार पर एक और दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पोते की मौत के 17 दिन बाद, शनिवार रात पुणे के एक अस्पताल में केतन अग्रवाल के दादा देवीचंद अग्रवाल का निधन हो गया। परिवार का कहना है कि वे अपने पोते को खोने का गम बर्दाश्त नहीं कर पाए। परिवार वालों के मुताबिक, देवीचंद अग्रवाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और केतन की मौत के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। डॉक्टरों ने शनिवार रात 9:45 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। वे 71 साल के थे। परिवार ने बताया कि देवीचंद अपने पोते की मौत से बहुत गहरे सदमे में थे और तब से ही भावनात्मक रूप से परेशान चल रहे थे। उनका मानना है कि इस सदमे और दुख का उनकी

सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ा। देवीचंद अग्रवाल ने बीमार होने के बावजूद 27 जून को अपनी हाउसिंग सोसाइटी में आयोजित कैंडल मार्च में हिस्सा लिया। अपनी मौत से कुछ दिन पहले देवीचंद अग्रवाल ने अपने पोते के लिए न्याय की भावुक अपील की थी। वे रो पड़े थे जब उन्होंने उस धोखे का जिक्र किया जो उन लोगों ने किया था जिन पर उनके परिवार ने दशकों तक भरोसा किया था।

प. बंगाल में अदाणी समूह बनाएगा 2000 बेड का अस्पताल

कोलकाता पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी घोषणा की है। सरकार के मुताबिक, अदाणी समूह न्यू टाउन में 2000 बेड का आधुनिक अस्पताल स्थापित करेगा। इस अस्पताल की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि इसमें आधे यानी 1000 बेड गरीब मरीजों के लिए मुफ्त इलाज के लिए आरक्षित रहेंगे। सरकार का कहना है कि इससे राज्य के लोगों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को अपने भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और कारोबारियों के साथ बातचीत के दौरान इस परियोजना की जानकारी दी।

मुंबई पर मेघों का कहर, मूसलाधार बारिश से शहर बेहाल

गोवंडी में मकान ढहने से दो घायल, भूस्खलन और जलभराव के बीच आज भी रेड अलर्ट जारी

मुंबई, एजेंसी

मुंबई और आसपास के इलाकों में मानसून ने रौद्र रूप दिखाते हुए जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव, भूस्खलन और यातायात बाधित होने की घटनाएं सामने आईं। गोवंडी में एक मकान ढहने से एक महिला और एक पुरुष घायल हो गए, जबकि भांडुप में निर्माण स्थल पर करीब 100 फीट लंबा भूस्खलन होने से एक ट्रक और कई पेड़ मलबे में दब गए। विक्रोली में 24 घंटे के दौरान सर्वाधिक 246.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने रविवार के लिए भी मुंबई, ठाणे, पालघर

और आसपास के जिलों में भारी से अति भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने लोगों को बेहद जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी है। जलभराव के कारण पश्चिमी रेलवे की कई ट्रेनें 20 से 25 मिनट देरी से चलीं, जबकि कुछ बस और मेट्रो सेवाएं भी प्रभावित रहीं।

लखनऊ में पुलिस की बड़ी कार्रवाई बीएमडब्ल्यू कार से 26 लाख बरामद

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां एक बीएमडब्ल्यू कार से 26 लाख रुपये की नकदी बरामद हुई है। वाहन चेकिंग के दौरान स्मृति उपवन के पास एक लग्जरी कार पकड़ी गई, जिसके बाद उसमें नकदी बरामद हुई।

नोटों की 52 गड्डियां बरामद

बीएमडब्ल्यू की डिग्गी में बने लॉकर से 500-500 रुपये के नोटों की 52 गड्डियां मिली हैं। नकदी के संबंध में मौके पर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। पुलिस ने बीएमडब्ल्यू और स्कॉर्पियो वाहन को सीज कर दिया है।

आयकर विभाग को सूचना

देकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस और आयकर विभाग नकदी के स्रोत की जांच में जुटी है और तीनों युवकों से पुलिस की पूछताछ जारी है। आशियाना पुलिस की कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। हैरानी की बात ये है कि कार की नंबर प्लेट भी अजीब सी है।

दोपहर मेट्रो | गुजरात हाई कोर्ट ने कहा- तीन दशक बाद नियुक्ति पर सवाल उठाना कानून सम्मत नहीं

17 साल बाद मृत शिक्षक को 'इंसाफ', हाई कोर्ट ने बहाल की नौकरी

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में मृत शिक्षक हर्षद भावसार की नियुक्ति उनकी मौत के 17 साल बाद बहाल कर दी। अदालत ने राज्य सरकार के 2021 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें 1988 में हुई उनकी नियुक्ति निरस्त कर परिवार पेंशन और अन्य सरकारी लाभ रोक दिए गए थे। भावसार की 2004 में मृत्यु के बाद उनकी पत्नी को नियमित रूप से फैमिली पेंशन मिल रही थी। हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा कि नियुक्ति नियमित होने और तीन दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद उसे रद्द करना कानूनी रूप से उचित नहीं है। अदालत ने माना कि जब राज्य स्वयं वर्षों तक नियुक्ति को वैध मानकर वेतन और पेंशन देता रहा, तो बाद में उसी नियुक्ति को अवैध बताकर लाभ रोकना न्यायसंगत नहीं है।

कोर्ट बोला- इतने वर्षों बाद कार्रवाई अनुचित

मामले में पहले सिंगल बेंच ने सरकार का आदेश रद्द किया, जिसके खिलाफ राज्य सरकार डिवीजन बेंच पहुंची। जस्टिस एन. एस. संजय गौडा और जस्टिस जे. एल. ओदेदरा की पीठ ने सरकार की अपील खारिज करते हुए कहा कि 30 वर्ष से अधिक समय बाद नियुक्ति रद्द करना न्यायसंगत नहीं है। अदालत ने कहा कि राज्य पहले नियुक्ति को वैध मानकर वेतन और परिवार पेंशन देता रहा, इसलिए बाद में उसी नियुक्ति को अवैध बताना स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इतनी लंबी अवधि के बाद कर्मचारियों के अधिकारों को समाप्त करना कानून की मंशा के विपरीत है।

1988 की नियुक्ति, 2021 में सरकार ने उठाया कदम

हर्षद भावसार और पांच अन्य शिक्षकों की नियुक्ति 1988 में सुज्ञान एजुकेशन ट्रस्ट के स्कूल में हुई थी। जिला शिक्षा अधिकारी ने 1989 में आवश्यक योग्यता की जांच के बाद उनकी सेवाएं नियमित कर दी थीं। वर्ष 2004 में भावसार का निधन हो गया, जिसके बाद उनकी पत्नी को फैमिली पेंशन मिलने लगी। लेकिन 2021 में स्कूल प्रबंधन के आदेश के आधार पर राज्य सरकार ने छह शिक्षकों और एक लाइब्रेरियन की नियुक्तियां निरस्त कर दीं। इसके साथ ही वेतन, पेंशन और अन्य सरकारी लाभ रोक दिए गए तथा कर्मचारी नंबर भी ब्लॉक कर दिए गए। इसके खिलाफ स्कूल ट्रस्ट और प्रभावित कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564